* वर्ष 34 * अंक 159 आश्विन शुक्ल पक्ष 6 संवत् 2081 * सूरत * मंगलवार 08 अक्टूबर 2024 * पृष्ठ 8 * मूल्य रु. 5.00 * SRT-719 (2024-2026

SINCE 1992
■916 होल मार्क गोल्ड ज्वैलरी
■हर एक प्रकार की ज्वैलरी उपलब्ध चेन, ब्रेसलेट नैकलेस, बैंगल्स,
■स्पेशियल मारवाड़ी वेराईटी राखड़ी, बाजू, पोची, कंदोरा
वेडिंग कलेक्शन उपलब्ध

Raaj Ratan JEWELLERS
3/140, "Raaj Ratan House", Opp. Surat People's Bank
Parsi Sheri, Navapura, Bhagal, SURAT.
Ph.: 0261-2424567 (M) +91 91068 74229
Email: rrj_ 140@yahoo.com

लोकतेज

संस्थापक : प्रा. घनश्यामप्रसाद सनाढ्य * संपादक : कुलदीप सनाढ्य, सह–संपादक : भटु पाटिल

सचिन/होजीवाला
जीआईडीसी इंडस्ट्रियल में प्लॉट बिक्री -खरीद और किराए के लिए
22 x 100 sf, 20 x 100 sf, 16 x 83.6 sf 756, 1484, 3612, 7308 sm
वेसु वीआईपी रोड
पीपलोद, घोडदौड रोड, वी आई पी रोड बंगले, दुकानें खरीदने-बेचने और रेसीडेन्स, कोमर्शियल बंगला, खुले प्लॉट खरीदने-बेचने के लिए
सतीश शाह
दुकान नंबर-6, होजीवाला गेट नं. 2, रोड नं. 10, सचिन, सूरत
सिद्धार्थ शाह - 9998227450,
सतीश शाह - 9825127450, 9898027450

* ताप्तीलोक पब्लिकेशन्स : 3-4, गंगोत्री एपार्टमेंट, न्यू सिविल रोड, सूरत * फोन : (0261) 2235238, टेली फेक्स : (0261) 2234504 * ई-मेल : loktejsurat@gmail.com * आर.एन.आई. नं.: 61977/91

न्यूज गैलरी

कच्छ के समुद्र किनारे पर मिले 12 किलो लावारिस ड्रग्स के पैकेट

गांधीधाम। कच्छ के गांधीधाम के खारी रोहर के पास एक सुनसान स्थान से पुलिस ने 12 किलो ड्रग्स के पैकेट जब्त किए हैं।गुजरात पुलिस के अनुसार बरामद ड्रग्स की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों रुपये है। पूर्व कच्छ के पुलिस अधीक्षक सागर बागमार ने बताया कि बीती रात पुलिस ने सूचना के आधार पर गांधीधाम के दुर्गम स्थल खारी रोहर के पास एक सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान पुलिस को ड्रग्स के एक-एक किलो के 12 पैकेट मिले। पुलिस ने पैकेट के सैम्पल की एफएसएल जांच के लिए भेज दिए हैं। ड्रग्स के पैकेट पर अंग्रेजी में ब्लो अप लिखा हुआ है।

नक्सली मानवाधिकार के सबसे बड़े दुश्मन : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि नक्सली मानवाधिकार के सबसे बड़े उल्लंघनकर्ता हैं, मानवाधिकार के दुश्मन हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल नक्सलियों के खिलाफ रक्षात्मक के बजाय आक्रामक अभियान चला रहे हैं और हाल के दिनों में उन्हें बड़ी सफलताएं मिली हैं। अमित शाह ने नई दिल्ली में स्थित विज्ञान भवन में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों, उपमुख्यमंत्रियों व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में बेहतर केंद्र-राज्य समन्वय से नक्सलवाद को देश से पूरी तरह से समाप्त किया जा रहा है। सुरक्षा स्थिति में सुधार के कारण पिछले लोकसभा चुनाव में माओवाद प्रभावित क्षेत्र में 70 प्रतिशत तक मतदान हुआ। इससे पहले इस क्षेत्र में शून्य मतदान हुआ था।

प्रधानमंत्री मोदी के जीवन पर आधारित पुस्तक का डीयू में हुआ विमोचन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन से जुड़े संस्मरणों पर गिरीश एम. शर्मा द्वारा गुजराती भाषा में लिखित पुस्तक सुवर्ण दिन के अंग्रेजी संस्करण गोल्डन डे और हिंदी संस्करण स्वर्ण दिन का विमोचन दिल्ली विश्वविद्यालय में सोमवार को किया गया। इस अवसर पर गुजरात के पूर्व कैबिनेट मंत्री आत्माराम भाई परमार एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राम कृपाल यादव बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपने संबोधन में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि गमलों में कभी बरगद के पेड़ नहीं उगा करते, हम सबको बरगद बनना है तो हमको अपने गमले तोड़ने पड़ेंगे।

भारत-मालदीव के बीच वार्ता, रुपे कार्ड से भुगतान शुरू

दोनों देशों के बीच करंसी स्वैप, कानून प्रवर्तन, भ्रष्टाचार निरोधी, न्यायिक अधिकारियों के प्रशिक्षण और खेल क्षेत्र में सहयोग से जुड़े पांच करार हुए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के बीच सोमवार को व्यक्तिगत एवं प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। इस दौरान दोनों देशों के बीच करंसी स्वैप, कानून प्रवर्तन, भ्रष्टाचार निरोधी, न्यायिक अधिकारियों के प्रशिक्षण और खेल क्षेत्र में सहयोग से जुड़े पांच करार हुए। दोनों नेता मालदीव में रुपे कार्ड से भुगतान की व्यवस्था के लांच के साक्षी बने। साथ ही मालदीव के हनीमाधू अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के न्यू रनवे का उद्घाटन किया गया और एक्सिम बैंक बायर्स क्रेडिट फैसिलिटी के माध्यम से तैयार किए गए 700 विशेष घरों को हस्तांतरित किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी और मेहमान नेता मोहम्मद मोइज्जू के बीच आज दिल्ली के हैदराबाद हाउस में वार्ता हुई। वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने साझा प्रेस व्यक्तव्य दिया। इस दौरान दोनों देशों के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ।

प्रधानमंत्री ने अपने वक्तव्य में बताया कि दोनों देशों ने मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा करने का निर्णय लिया है। हम स्थानीय मुद्रा में व्यापार करने पर भी काम करेंगे। इसके अतिरिक्त डिजिटल कनेक्टिविटी पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। दोनों देश मिलकर एक उज्जवल भविष्य के निर्माण के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत अड्डू में और मालदीव बेंगलुरु में वाणिज्य दूतावास खोलने को लेकर इच्छुक है।

उन्होंने कहा कि भारत और मालदीव के संबंध सदियों पुराने हैं। भारत, मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी और घनिष्ठ मित्र देश है। हमारी पड़ोसी प्रथम की नीति और सागर विजन में भी मालदीव का महत्वपूर्ण स्थान है। आज हमने अपने आपसी सहयोग को रणनीतिक दिशा देने के लिए एक व्यापक, आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी दृष्टिकोण अपनाया है।पड़ोसी प्रथम की भारत सरकार की नीति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने सदैव मालदीव के लिए पहले मददगार की भूमिका निभाई है। मालदीव के लोगों के लिए आवश्यक सामग्री की जरूरत पूरा करना हो, प्राकृतिक आपदा के समय पीने का पानी उपलब्ध कराना हो, कोविड के समय वैक्सीन देने की बात हो, भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी होने के दायित्व को निभाया है।

उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन दोनों देशों के लिए बड़ी चुनौती है। इस संबंध में, भारत मालदीव के साथ सौर और ऊर्जा दक्षता के संबंध में अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार है। आने वाले समय में भारत और मालदीव यूपीआई के जरिए जुड़ेंगे। एकथा हार्बर प्रोजेक्ट में तेजी से काम किया जा रहा है। हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि के लिए हम मालदीव के राष्ट्रीय रक्षा बलों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण की दिशा में अपना सहयोग जारी रखेंगे।

गुजरात की विकास यात्रा का उत्सव 'विकास सप्ताह' शुरू, मुख्यमंत्री व मंत्रियों सहित अधिकारियों ने ली शपथ

गांधीनगर। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल तथा राज्य मंत्रिमंडल के मंत्रियों, मुख्य सचिवों, वरिष्ठ सचिवों तथा अधिकारियों ने सोमवार को विधानसभा पोडियम में आयोजित सामूहिक प्रतिज्ञा पठन में शामिल होकर 'भारत विकास प्रतिज्ञा' ली। इसका उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के निर्माण के संकल्प पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करना है। इसमें आम नागरिकों को भी जोड़ा जाएगा। दरअसल, नरेन्द्र मोदी ने 7 अक्टूबर, 2001 को गुजरात के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेकर राज्य की विकास यात्रा की शुरूआत की थी। इसके 23 वर्ष पूरे होने पर राज्य सरकार ने 'विकास सप्ताह' उत्सव का आयोजन किया है। गुजरात की वर्ष 2001 से 2024 तक की 23 वर्ष की सर्वग्राही वैश्विक विकास यात्रा की सफलता की गाथा में जन भागीदारी को जोड़ने के लिए 'विकास सप्ताह' उत्सव सोमवार को शुरू हो गया। यह उत्सव 7 से 15 अक्टूबर तक चलेगा।

सड़क किनारे रेलिंग से टकराई बस, 4 की मौत, 25 से अधिक यात्री घायल

पालनपुर। बनासकांठा जिले के अंबाजी और दांता के बीच त्रिसुलिया घाट हनुमान मंदिर के पास बस दुर्घटना में चार यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 25 से अधिक घायल हो गए। घायलों को पालनपुर हॉस्पिटल ले जाया गया है। शुरुआती जानकारी में बस चालक के नशे में होने की बात कही जा रही है। पुलिस समेत प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

गुजरात के प्रसिद्ध शक्ति स्थल अंबाजी से सोमवार सुबह खेड़ा जिले के कठलाल निवासी यात्री बस में सवार होकर लौट रहे थे। त्रिसुलिया घाट हनुमान मंदिर के पास बस अचानक रेलिंग से टकरा कर पलट गई, जिससे दर्जनों यात्री घायल हो गए। बस में 52 लोग सवार बताए गए हैं। घटना में 4 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है, जबकि 25 से अधिक घायलों को पालनपुर हॉस्पिटल ले जाया गया है।

यात्रियों के अनुसार बस चालक नशे में था और त्रिशूलिया घाट में मोड़ पर स्टेरिंग को नहीं संभाल पाया। इसके कारण बस सड़क किनारे रेलिंग में से टकराते हुए पलट गई। अंबाजी थाने के पुलिस इंस्पेक्टर आर बी गोहिल ने बताया कि नडियाद और खेड़ा जिले के यात्री रविवार को अंबाजी दर्शन करने आए थे। दर्शन के बाद आज सुबह वापस अपने घर लौट रहे थे। इस बीच अंबाजी और दाता के बीच त्रिसुलिया घाट पर बस रेलिंग से टकरा कर दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

नाबालिग के साथ गैंग रेप मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

वडोदरा। जिले के सायली क्षेत्र में 4 अक्टूबर की रात नाबालिग से गैंग रेप मामले में क्राइम ब्रांच ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से तीन मूलतः उत्तर प्रदेश के हैं। दरअसल, वडोदरा के समीप भायली गांव की सीमा में सूनसान रोड पर 4 अक्टूबर की रात 11.30 बजे के आसपास 11वीं साइंस की छात्रा अपने के मित्र के साथ इस सूनसान क्षेत्र में डिवाइडर पर बैठकर बातें कर रही थीं। इसी बीच दो बाइक से पांच लोग यहां पहुंचे और इनमें से तीन लोग वहां रुक गए। तीनों में से एक युवक ने पीड़िता के मित्र को पकड़ा, जबकि दो अन्य ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया।इस घटना के बाद पूरे राज्य में हड़कंप मंच गया। विपक्षी पार्टियां कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के नेता भी मैदान में आ गए। दोनों पार्टियों ने राज्य में विधि व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरा। इसके बाद गृह मंत्री हर्ष संघवी ने भी मामले में सख्त से सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। वडोदरा जिला पुलिस और अहमदाबाद क्राइम ब्रांच जांच में जुट गई थी। पुलिस ने एक हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरे चेक किए। पुलिस ने एक सौ से अधिक हिस्ट्रीशीटरों के फोटो के साथ आरोपितों की पहचान कराने की भी कोशिश की।

देश में केवल गुजरात में पाए जाने वाले जंगली गधों की आबादी 7672 पर पहुँची

पिछले 5 वर्षों में जंगली गधा (घुडखर) की संख्या में लगभग 26 प्रतिशत की वृद्धि

अहमदाबाद। भारत में केवल गुजरात में पाए जाने वाले जंगली गधे (घुडखर) राज्य का गौरव हैं। गुजरात सरकार के निरंतर प्रयास एवं विभिन्न जागरूकता के अभियानों के फलस्वरूप जंगली गधों की आबादी 7,672 दर्ज हुई है। यानी घुडखरों की संख्या में 26.14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

गुजरात सहित भारत भर में हर वर्ष 2 से 8 अक्टूबर के दौरान 'वन्य जीव संरक्षण सप्ताह' मनाया जाता है। ऐसे में जंगली गधों की संख्या में वृद्धि राज्य के लिए वन्य जीव संरक्षण क्षेत्र में विशेष उपलब्धि है। वन एवं पर्यावरण मंत्री मुलुभाई बेरा ने इस संबंध में कहा कि अतीत में घुडखर उत्तर-पश्चिम भारत, पाकिस्तान से लेकर मध्य एशिया के शुष्क क्षेत्र तक विचरण करते पाए जाते थे। हालाँकि ये जंगली गधे हाल में भारत में एकमात्र गुजरात के कच्छ के छोटे व बड़े रेगिस्तान (रण) में ही पाए जाते हैं। बेरा ने कहा कि हर पाँच वर्ष में जंगली गधों की गिनती होती है। इस वर्ष भी राज्य के वन एवं पर्यावरण विभाग द्वारा 10वीं घुडखर (जंगली गधा) गणना की गई, जिसमें राज्य में जंगली गधों की कुल आबादी 7672 दर्ज हुई है, जबकि पिछली गणना के अनुसार गुजरात में 6082 जंगली गधे थे। गुजरात के जंगली गधे विश्व में 'Equus heminious khur' तथा 'खुर' के रूप में जाने जाते हैं।घुडखर गणना का विवरण देते हुए वन मंत्री ने बताया कि जंगली गधे राज्य के मुख्य रूप से छह जिलों में पाए जाते हैं। 10वीं घुडखर गणना के अनुसार सर्वाधिक 2705 घुडखर सुरेन्द्रनगर में पाए गए हैं, कच्छ में 1993, पाटण में 1615, बनासकाँठा में 710, मोरबी में 642 तथा अहमदाबाद में 7 जंगली गधे पाए गए हैं। इसके अतिरिक्त वन क्षेत्र के अनुसार सर्वाधिक 3234 घुडखर ध्रांगध्रा में, 2325 राधनपुर में तथा 2113 जंगली गधे भचाऊ वन रीजन में बसते हैं।

BISHANDAYAL JEWELLERS
(DILIPBHAI)
नवरात्रि उत्सव
916 होलमार्क ज्वैलरी
प्रेझन्टेशन आर्टीकल्स
एन्टिक डिझाइन ज्वैलरी
डायमंड ज्वैलरी

सोने की लगड़ी और गिन्नी सोने की एवं चांदी की ज्वैलरी
चांदी का सिक्का, लगड़ी एवं बर्तन
UG-13, Sarela Shoping Center, Ghod Dod Road, Surat.
Ph. 2668811, 9825140506

નવરાત્રી ના ઉત્સવ માં
Hyundai ની N Line અને Electric કાર
પર મેળવો અદ્ભુત લાભો.
Book Now & Assured Delivery at Navratri.

શોરૂમ દિવાળી સુધી દર રવિવારે ચાલુ રહેશે
HYUNDAI
Starting Price : N Line i20 ₹ 9.99 Lacs*
Starting Price : N Line Venue ₹ 12.07 Lacs*
Starting Price : N Line Creta ₹ 16.82 Lacs*
*T&C Apply
NAVJIVAN Gives always more
NAVJIVAN HYUNDAI
UDHNA 93766 93766
PARVAT PATIA 93742 37000
ADAJAN 93773 12345
www.navjivanhyundai.com
navjivanhyundai

नवरात्रों के दौरान अब तक 1.76 लाख श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के दर्शन किए

कटड़ा। माता के भक्तों का तांता बैष्णव धाम में लगा हुआ है। यहां अब पौने दो लाख से ज्यादा भक्तों ने माता के दर्शन किए है। पहले दिन नवरात्र पर 44,800, दूसरे नवरात्र पर 37,700, तीसरे नवरात्र पर 47,500 मैं वैष्णो देवी दरबार पर नमन किया था। तो वहीं रविवार को चौथे दिन 46,092 श्रद्धालुओं ने यात्रा पंजीकरण कक्ष से आरएफआईडी कार्ड हासिल कर वैष्णो देवी भवन की ओर प्रस्थान कर लिया था। आंकड़े बताते हैं कि पहले चार नवरात्रों के दौरान अब तक 1.76 लाख श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी भवन पर माता रानी की प्राकृतिक पिंडियों के समक्ष नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया है। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बार नवरात्रों के दौरान करीब चार लाख श्रद्धालु वैष्णो देवी दरबार पर नमन करेंगे।पंजीकरण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को उमड़ी भीड़ के चलते जहां पंजीकरण कक्ष को निर्धारित समय से एक घंटा पहले बंद करना पड़ा था। वहीं रविवार को सुबह 4ः00 बजे ही पंजीकरण कक्ष को खोल दिया गया। इसके बाद से रात कटड़ा रुके श्रद्धालु यात्रा आरएफआईडी कार्ड हासिल कर वैष्णो देवी भवन की ओर प्रस्थान करते नजर आए।

नदी तट पर बरामद हुई 120 करोड़ की कोकीन

गांधीधाम । गुजरात के कच्छ जिले के गांधीधाम शहर के पास नदी क्षेत्र से 12 किलोग्राम कोकीन के दस पैकेट बरामद किए गए हैं। इन पैकेट की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 120 करोड़ रुपये है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। कच्छ-पूर्व के पुलिस अधीक्षक सागर बागमार ने कहा, पुलिस की शुरुआती जांच से पता चलता है कि तस्करों ने गिरफ्तारी के डर से बचने के लिए मादक पदार्थ को नदी के किनारे छिपाया। बागमार ने कहा, एक गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने रविवार की रात नदी तट क्षेत्र की तलाशी ली और 10 मादक पदार्थों के पैकेट बरामद किए, जिनमें कोकीन थी। ये कोकीन शायद तस्करों ने छिपाई थी। पुलिस ने कहा कि आगे की जांच जारी है। इस साल जून में आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस) और स्थानीय पुलिस की एक संयुक्त टीम ने उसी क्षेत्र में 13 कोकीन के पैकेट बरामद किए थे, जिनकी कीमत 130 करोड़ रुपये थी। पिछले साल सितंबर में कच्छ-पूर्व पुलिस ने उसी नदी के क्षेत्र में एक किलोग्राम के 80 कोकीन के पैकेट बरामद किए थे, जिनकी कुल कीम 800 करोड़ रुपये थी।

महाराष्ट्र में बीजेपी को झटका, हर्षवर्द्धन ने छोड़ी पार्टी, शरद पवार से मिलाया हाथ

-एनसीपी (सपा) के टिकट पर अपने गृह क्षेत्र इंदापुर से लड़ सकते हैं चुनाव

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की बीजेपी इकाई को बड़ा झटका लगा है। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता हर्षवर्द्धन पाटिल सोमवार को बीजेपी छोड़कर शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी गुट में शामिल हो गए। पार्टी प्रमुख शरद पवार ने उनका स्वागत किया। उन्होंने एनसीपी (सपा) के प्रति अपनी निष्ठा की शपथ ली। गौरतलब है कि बीजेपी के एक प्रमुख नेता पाटिल ने सबसे पहले इंदापुर विधानसभा सीट पर पार्टी के साथ मतभेद के बाद एनसीपी (सपा) में प्रवेश की पुष्टि की थी, जो वर्तमान में अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को आवंटित की गई है। इससे पहले शरद पवार खेमे में शामिल होने के बारे में मीडिया को अपने फैसले के बारे में पाटिल ने कहा कि उनके समर्थक चाहते हैं कि वह विधानसभा चुनाव लड़ें। उन्होंने मुझसे कहा कि चूंकि मेरे समर्थक चाहते हैं कि मैं इंदापुर से चुनाव लड़ूं, इसलिए मुझे फैसला करना चाहिए। मैंने उनसे बात की और फिर पार्टी में शामिल होने का फैसले लिया। गौरतलब है कि पाटिल एनसीपी (सपा) के टिकट पर अपने गृह क्षेत्र इंदापुर से चुनाव लड़ सकते हैं। उनका मुकाबला एनसीपी अजित पवार गुट के नेता और वर्तमान विधायक दत्तात्रेय भरणे से हो सकता है। पाटिल इंदापुर निर्वाचन क्षेत्र से अपनी उम्मीदवारी पर कड़ा रुख नहीं अपनाने के कारण बीजेपी से नाराज थे, उन्होंने पहले 1995, 1999 और 2004 में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में सीट जीती थी। बाद में 2009 में वह कांग्रेस में शामिल हो गए और फिर इस सीट से जीत हासिल की। 2019 में वह बीजेपी में शामिल हो गए और एनसीपी उम्मीदवार भरणे से हार गए थे।

त्रिशूलिया घाट के निकट बस पलटने से 6 लोगों की मौत, 35 से ज्यादा यात्री घायल

बनासकांठा । शक्तिपीठ अंबाजी के निकट त्रिशूलिया घाट पर फिर एक बार दुर्घटना हुई है। त्रिशूलिया घाट के निकट यात्रियों से भरी बस पलट गई। इस घटना में 6 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 35 से ज्यादा लोग घायल हो गए। हादसे के बाद एंबुलेंस समेत पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और आगे की कार्यवाही शुरू कर दी। जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिला स्थित विख्यात शक्तिपीठ अंबाजी से यात्रियों को लेकर एक बस दांता की ओर जा रही थी। रास्ते में त्रिशूलिया के निकट बस अचानक पलटी खा गई। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस 108 को हादसे की सूचना दी। खबर मिलते ही पालनपुर, दांता, अंबाजी से एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गई और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। जानकारी है कि इस हादसे में 6 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि 35 जितने यात्रियों के घायल होने की खबर है। हादसे के शिकार मृतक और घायल खेडा जिले के कठलाल निवासी होने का पता चला है। हादसे के बाद एसपी और डीवायएसपी समेत पुलिस काफिला मौके पर पहुंच गया और आगे की कार्यवाही शुरू की। त्रिशूलिया घाट के मोड पर बस चालक के स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा देने से हादसा होने की आशंका है।

नई तकनीकों पर राजनाथ सिंह ने दिया जोर, बोले- आज हम युद्ध और इसकी संभावनाओं के बीच जी रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को 'डिफकनेक्ट 4.0' के आयोजन का उद्घाटण किया। इसमें सशस्त्र बल, रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां, नवोन्मेषक और नीति निर्माता स्वदेशी नवाचार को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए एक मंच पर आएंगे। इस दौरान राजनाथ ने कहा कि हम एक ऐसे युग में रह रहे हैं, जहां हम दुनिया को वैश्विक गाँव कहकर संबोधित करते हैं। जहां हमें यह लगता है कि लोगों के बीच की दूरियां अब कम हुई हैं। कहने को तो हम सूचान प्रौद्योगिकी के युग में रह रहे हैं, जहां हजार किलोमीटर दूर बैठे किसी व्यक्ति की सूचना हमारे पास सेकंड में पहुंच जाती है।

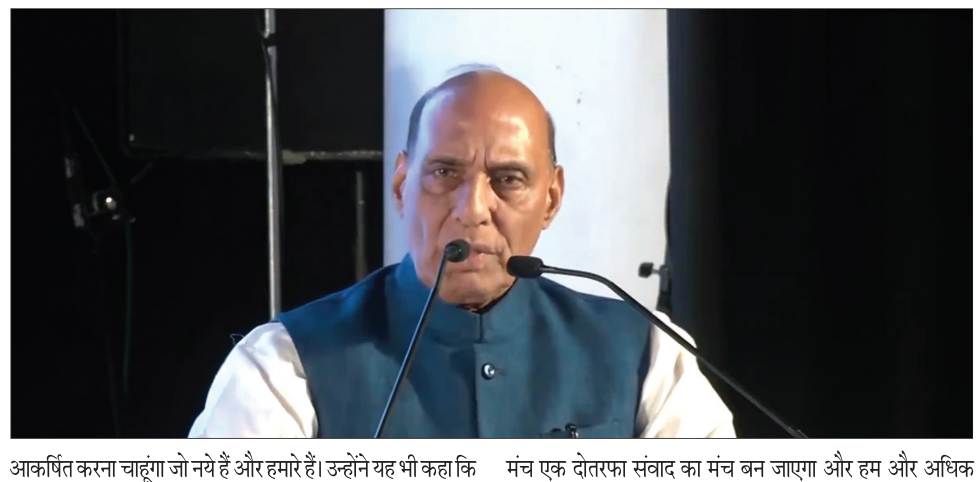

राजनाथ सिंह ने कहा कि आज हम विभिन्न प्रकार के युद्धों और युद्धों की संभावनाओं के बीच जी रहे हैं। इन युद्धों में लगातार नई तकनीकों को शामिल किया जा रहा है। इनमें न केवल पारंपरिक हथियारों और गोला-बारूद का उपयोग किया जा रहा है, बल्कि कई प्रकार के दोहरे उपयोग, या यहां तक ??कि पूरी तरह से नागरिक वस्तुओं और प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जा रहा है। उन्हें हथियार बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे में हमें इस प्रकार के तकनीकी अनुप्रयोगों को गहराई से समझना होगा। हमें यह देखना होगा कि हम अपनी रक्षा के लिए इन तकनीकों का कल्पनाशील उपयोग कैसे कर सकते हैं।

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यहां, मैं केवल अन्य युद्धग्रस्त दलों के अनुप्रयोगों की नकल के बारे में बात नहीं कर रहा हूं। इससे आगे बढ़ते हुए मैं आपका ध्यान उन सिस्टम या एप्लीकेशन की ओर आकर्षित करना चाहूंगा जो नये हैं और हमारे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अभी तक द्धष्ठश्वङ्ग छ्ढ्डस्ट, अथवा इस तरह की योजना में, हम आपको अलग-अलग चुनौती देते हैं, और आप इसका समाधान देते हैं। ज़ाहिर है ये समाधान, आपको दिए गए चुनौती पर निर्भर होते हैं, और इसलिए विशिष्ट होते हैं। पर मैं चाहता हूँ, कि आप सभी इन समाधान से आगे बढ़ते हुए, ऐसी प्रौद्योगिकियाँ, जैसे नवाचार ले आएँ जो अब तक की आवश्यकताएं से भी कहीं आगे की चीज़ हों, और वे हमारे रक्षा और सेवाएँ की जरूरत बन जाएँ।

रक्षा मंत्री ने कहा कि जब ऐसा होने लगेगा, तो मैं समझता हूँ यह मंच एक दोतरफा संवाद का मंच बन जाएगा और हम और अधिक सफलतरीके से सामने आएँगे। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता जैसा बड़ा काम केवल अकेले सरकार अपने दम पर नहीं कर सकती। बल्कि इसके लिए हमें इससे जुड़े हुए सभी हितधारक का साथ जरूरी है। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि आप सब अब तक सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चले हैं। साथ ही मुझे यह विश्वास भी है कि आगे भी हम सब का यह कनेक्शन और मजबूत होता जाएगा और हम सब मिलकर भारत के रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को दुनिया में सबसे मज़बूत और सबसे अधिक आधुनिक बनाएँगे।

जनगणना में देरी क्यों कर रहे हैं प्रधानमंत्री : कांग्रेस

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर (वेब वार्ता)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से जनगणना में 'विलंब' को लेकर सोमवार को सवाल किया और कहा कि जाति आधारित जनगणना के माध्यम से ही शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में पूरी तरह से सार्थक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है।पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'राजनीतिक परिवर्तन और आर्थिक उथल-पुथल के बीच श्रीलंका ने अभी घोषणा की है कि ताजा जनसंख्या एवं आवास जनगणना आज से शुरू होगी। वहां पिछली बार 2012 में जनगणना हुई थी।' उन्होंने कहा, 'भारत में इसे लेकर क्या हो रहा है? दशकीय जनगणना 2021 में होनी थी लेकिन अब भी इसके होने के कोई संकेत नहीं हैं।' कांग्रेस नेता ने कहा, 'हम अब भी 2011 की जनगणना से प्राप्त आंकड़ों का इस्तेमाल कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इस वजह से 10 करोड़ से अधिक भारतीयों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 यानी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मिलने वाले लाभ से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि जनगणना में जाति के प्रश्नों को जोड़ने को लेकर सरकार का क्या विचार है, जैसा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और अन्य सभी राजनीतिक दलों द्वारा मांग की जा रही है। रमेश ने कहा, 'अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की विस्तृत गणना 1951 से हर 10 साल में होती रही है। अब अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अन्य जातियों की भी ऐसी ही विस्तृत गणना की आवश्यकता है।' उन्होंने कहा कि जाति आधारित जनगणना के माध्यम से ही शिक्षा और रोज़गार के क्षेत्र में पूरी तरह से सार्थक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है। रमेश ने कहा, '''नॉन-बायोलॉजिकल' प्रधानमंत्री जनगणना में देरी क्यों कर रहे हैं, जिसमें जाति आधारित गणना भी होगी?''

नक्सलवाद से जुड़े सभी युवा हथियार छोड़कर मुख्यधारा में आएं

-अमित शाह ने नक्सली कार्रवाई पर छग सीएम, गृहमंत्री को दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद प्रभावित राज्यों में सुरक्षा और विकास की समीक्षा के लिए बैठक में कहा कि मैं छत्तीसगढ़ के सीएम, गृह मंत्री, डीजीपी और पूरी टीम को बधाई देता हूं क्योंकि उन्होंने जनवरी से अब तक 194 नक्सली को मार गिराया है। 801 नक्सली गिरफ्तार और 742 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं। उन्होंने साफ कहा कि मैं नक्सलवाद से जुड़े सभी युवाओं से हथियार छोड़कर मुख्यधारा में आने की अपील करता हूं। उन्होंने फिर दोहराया कि 2026 तक देश से नक्सलवाद को खत्म कर देंगे।

शाह ने कहा कि सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) योजना के तहत, 2004 से 2014 तक इस योजना पर 1180 करोड़ रुपए खर्च किए गए जबकि 2014-2024 तक हमने 3006 करोड़ रुपए खर्च किए। विशेष केंद्रीय सहायता योजना के तहत हमने पिछले दस सालों में 3590 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। पिछले 10 सालों में 544 सुदृढ़ पुलिस स्टेशन बनाए हैं। उन्होंने कहा कि पहले सड़क नेटवर्क 2090 किमी था, 10 सालों में सड़क नेटवर्क बढ़कर 11,500 किमी हो गया है। पिछले दस सालों में 15,300 मोबाइल टावर लगाए गए हैं और उनमें से 5139 टावरों को 4जी कनेक्शन दिए गए हैं।

शाह ने आगे कहा कि हिंसा की घटनाएं 16,463 से घटकर 7700 हो गई हैं और अगले साल तक यह संख्या और कम हो जाएगी। नागरिकों और सुरक्षा बलों की मौतों में 70 फीसदी की कमी आई है। हिंसा की रिपोर्ट करने वाले जिलों की संख्या 96 से घटकर 42 हो गई है। पुलिस स्टेशनों की संख्या 465 से घटकर 171 है जिनमें से 50 पुलिस स्टेशन नए हैं यानी केवल 120 पुलिस स्टेशन हिंसा की रिपोर्ट कर रहे हैं। यह केंद्र और राज्य के संयुक्त प्रयास का नतीजा है।

खड़गे का आरोप, मोदी अर्थशास्त्र... अर्थव्यवस्था के लिए अभिशाप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक नीतियों की तीखी आलोचना की है, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने मोदी अर्थशास्त्र को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अभिशाप करार दिया। खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी के पुराने भाषण उनकी विफलताओं को छिपा नहीं सकते और इन नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को संकट में डाल दिया है।

खड़गे ने यूपीए और एनडीए के बीच निर्यात वृद्धि की तुलना की। उन्होंने बताया कि 2013-14 से 2022-23 तक घरेलू देनदारियों में 241 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और घरेलू ऋण का जीडीपी के प्रतिशत के रूप में 40 प्रतिशत का स्तर अब तक का उच्चतम है। उन्होंने कहा कि भारतीय परिवारों की खपत महामारी के बाद उनकी आय से अधिक हो गई है, सितंबर 2024 में घर में बनी सब्जी की थाली की कीमत में पिछले वर्ष की तुलना में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

खड़गे ने मेक इन इंडिया की विफलता का जिक्र कर कहा कि कांग्रेस-यूपीए के दौरान भारत के बढ़ते निर्यात के लाभों को मोदी की नीतियों ने त्याग दिया। उन्होंने विनिर्माण क्षेत्र की औसत वृद्धि दर में गिरावट का भी उल्लेख किया, यह बताकर कि 2014-15 से 2023-24 के बीच औसत वृद्धि दर सिर्फ 3.1 प्रतिशत रही, जबकि 2004-05 से 2013-14 के बीच यह 7.85 प्रतिशत थी। इसके अलावा, विनिर्माण में कार्यरत श्रमिकों का हिस्सा 15.85 प्रतिशत (2017-18) से घटकर 11.4 प्रतिशत (2023-24) हो गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सूरत के हीरा कारीगरों की कठिनाइयों का जिक्र किया, जहां श्रमिकों के वेतन में 30 प्रतिशत तक की कटौती की गई है और प्रमुख हीरा इकाइयों को केवल सप्ताह में 4 दिन संचालित होने के लिए मजबूर किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 6 महीनों में 60 से अधिक हीरा कारीगरों ने आत्महत्या कर ली है। उन्होंने बताया कि अगस्त 2024 में मनरेगा के तहत काम की मांग घटकर सिर्फ 1.6 करोड़ रह गई है, जो अक्टूबर 2022 के बाद सबसे कम मासिक मांग है। खड़गे ने कहा, मोदी अर्थशास्त्र भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक अभिशाप है!

बिहार को अब प्रशांत किशोर बनाना चाहते हैं नई राजनीति की प्रयोगशाला

नई दिल्ली (एजेंसी)।बिहार बदलाव का मंच बनता जा रहा है। देश की आजादी के लिए महात्मा गांधी ने बिहार के चंपारण की धरती को ही चुना, जिसकी गूंज कुछ ही दिनों में देश भर में होने लगी। व्यवस्था परिवर्तन के आह्वान के साथ जय प्रकाश नारायण ने बिहार से 1974 में शंखनाद किया। परिणाम सबको पता है। 1977 में आजादी के वक्त से ही देश की सत्ता में सिरमौर बने नेहरू परिवार की बेटी इंदिरा गांधी का लोकसभा चुनाव में सफाया हो गया था। ये तो पुरानी बातें हो गईं। प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज के संबंध में इसे अभी परखा जाना है। बिहार में सभी अच्छे कामों की ही शुरुआत हुई हो, ऐसा नहीं है। देश की राजनीति में हलचल मचाने वाली कास्ट पॉलिटिक्स की भी जननी बिहार ही है। पीएम रहते विश्वनाथ प्रताप सिंह ने जब पिछड़े वर्ग के आरक्षण के लिए बीपी मंडल आयोग की सिफारिशें लागू कीं तो इसका सबसे अधिक प्रभाव बिहार में ही पड़ा। सामाजिक तौर पर मार-काट तो मची ही, राजनीति की धारा भी बदल गई। जातिवादी धारा की राजनीति शुरू हुई। नई राजनीति के ध्वजवाहक बने लालू प्रसाद यादव। इसका लाभ भी उन्हें मिला और लगातार 15 साल बिहार की कमान उनके और उनकी पत्नी के हाथ रही। यह धारा अब भी बरकरार है, जिसे ध्वस्त कर नई धारा की राजनीति शुरू करने का श्रीगणेश किया है प्रशांत किशोर ने। अब सवाल यही है कि क्या प्रशांत किशोर बिहार को राजनीति की प्रयोगशाला बनाने जा रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस का दावा

नेहरू ने किया शिवाजी महाराज का अपमान... माफी मांगे राहुल गांधी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और बीजेपी के बीच जुबानी जंग जारी है। छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर वार किया था। इसके बाद भाजपा की ओर से पलटवार कर उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने एक ऐसा दावा कर दिया जिससे कांग्रेस लाल हो गई है। दरअसल, फडणवीस ने दावा किया कि जवाहरलाल नेहरू द्वारा शिवाजी महाराज का अपमान किया गया था और राहुल गांधी को इसके लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

यह दूसरी बार है कि फडणवीस ने सिंधुदुर्ग में 35 फुट ऊंची शिवाजी महाराज की प्रतिमा के ढहने पर विपक्ष की आलोचना का जवाब देने के लिए इस विषय को उठाया है, जिसका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल अनावरण किया था। फडणवीस ने कहा कि शिवाजी महाराज की एक प्रतिमा के अनावरण के लिए राहुल गांधी कोल्हापुर में हैं। वह अब शिवाजी को याद कर रहे हैं, लेकिन नेहरू की पुस्तक में शिवाजी महाराज का किए गए अपमान के लिए पहले राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने दावा किया है कि नेहरू ने अपनी पुस्तक द डिस्कवरी ऑफ इंडिया में शिवाजी महाराज की ''खराब छवि'' पेश की है।

इसके पहले दिन में, राहुल गांधी ने पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर में मराठा साम्राज्य के संस्थापक की प्रतिमा का अनावरण किया। यह दूसरा मौका है जब फडणवीस ने नेहरू पर शिवाजी महाराज के अपमान का आरोप लगाया है। प्रतिमा का अनावरण करने से पहले राहुल गांधी ने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेकर कहा कि पार्टी की विचारधारा सही नहीं है। राहुल गांधी ने कहा, लोगों को भयभीत करने, देश में संविधान और संस्थानों को बर्बाद करने के बाद शिवाजी महाराज के समक्ष शीश झुकाने का कोई औचित्य नहीं है।''

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने फडणवीस आड़े हाथ लिया। पटोले ने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता को अगस्त में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति ढहने के मामले में पहले माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस नेता पटोले ने कहा कि फडणवीस छत्रपति शिवाजी पर नेहरू की टिप्पणी को लेकर झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि नेहरू ने जेल में रहने के दौरान किताब लिखी। रिहा होने के बाद उन्होंने अपनी टिप्पणियों को संशोधित कर माफी भी मांगी। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने पहले कहा था कि फडणवीस को बताना चाहिए कि उन्होंने किताब कब पढ़ी। नेहरू ने अपने पहले संस्करण में संशोधन किया था।

सीएम सिद्धारमैया का बड़ा दांव, 18 अक्टूबर को कैबिनेट में पेश कर सकते हैं जाति जनगणना रिपोर्ट

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में जाति जनगणना रिपोर्ट में आखिरकार कुछ गति देखने को मिल सकती है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को घोषणा की कि वह इसे 18 अक्टूबर को कैबिनेट के सामने ला सकते हैं, क्योंकि उन पर ओबीसी समुदायों के विधायकों का भारी दबाव था और उन्होंने उनसे ऐसा करने का आग्रह किया था। इससे पहले दिन में, सीएम ने विधान सौध में मंत्रियों, विधायकों और ओबीसी समुदायों के नेताओं के साथ बैठक की। सीएम ने मीडियाकर्मियों से कहा, ये नेता अपनी पार्टी लाइनों से ऊपर उठे और रिपोर्ट को लागू करना चाहते थे। प्रमुख समुदायों की ओर से आ रहे विरोध पर सीएम ने कहा कि वह कैबिनेट की सलाह मानेंगे।

राज्य के स्थायी पिछड़ा वर्ग आयोग ने लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले फरवरी में 13-खंड की आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रिपोर्ट सीएम को सौंपी थी। हालाँकि, सरकार ने रिपोर्ट की सामग्री को गुप्त रखा है। सीएम ने कहा कि उन्होंने अभी तक रिपोर्ट नहीं देखी है। एच कंथाराजू आयोग ने सीएम के रूप में अपने पहले कार्यकाल (2013-2018) के दौरान घरों का दौरा करके सर्वेक्षण किया और रिपोर्ट तब तैयार हुई जब एचडी कुमारस्वामी सीएम थे। हालाँकि, एचडीके इस रिपोर्ट को स्वीकार करने के लिए सहमत नहीं हुई और ऐसा ही बाद की भाजपा सरकार ने भी किया।

विपक्षी दलों समेत 30 विधायकों ने बैठक कर रिपोर्ट लागू करने की मांग की है। यह सर्वेक्षण सिर्फ ओबीसी समुदायों की जनगणना नहीं है। सिद्धारमैया ने कहा, यह सात करोड़ कन्नडिगाओं का एक व्यापक सर्वेक्षण है, और कर्नाटक इस तरह का सर्वेक्षण करने वाला पहला राज्य था। बिहार सरकार द्वारा पिछले साल अक्टूबर में जातियों का सर्वेक्षण जारी करने के बाद सिद्धारमैया शासन पर रिपोर्ट को सार्वजनिक करने का दबाव था, जिसके अनुसार ओबीसी और अत्यंत पिछड़ा वर्ग राज्य की आबादी का 63प्र. से अधिक हिस्सा बनाते हैं।

राज्य के सबसे बड़े समुदाय वीरशैव-लिंगायत और वोक्कालिगा जाति जनगणना रिपोर्ट पर किसी भी कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं क्योंकि इन समुदायों को चिंता है कि अगर रिपोर्ट पर असर पड़ा तो वे अवसर और राजनीतिक ताकत खो देंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पिछले साल दिसंबर में राज्यसभा में कहा था कि जाति जनगणना के विरोध में सभी ऊंची जातियां एकजुट हैं, जिनमें उनकी अपनी पार्टी के सदस्यों के साथ-साथ भाजपा के लोग भी शामिल हैं। वीरशैव महासभा और वोक्कालिगरा संघ दोनों के साथ-साथ कई कांग्रेस विधायकों ने सर्वेक्षण के निष्कर्षों का विरोध किया है।

बिहार में डिप्टी सीएम के बंगले पर सियासत, बीजेपी का आरोप, सरकारी आवास से बेड, बेसिन, 20 एसी और टोंटी उखाड़ ले गए तेजस्वी

पटना (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को आरोप लगाया कि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और उनके लोगों ने सरकारी बंगला खाली करने से पहले उसमें से बिस्तर और सोफे, वॉश बेसिन और पानी के नल सहित फर्नीचर गायब कर लिए। यह घटनाक्रम मौजूदा उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के उस आवास में स्थानांतरित होने की पृष्ठभूमि में आया है, जो पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के पास था। सम्राट चौधरी को हाल ही में पटना में 5 देशरत्न रोड पर बंगला आवंटित किया गया था और वह विजयादशमी के शुभ अवसर पर इसमें रहने वाले हैं।

मंत्री और भाजपा नेता डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बंगला खाली होने पर सरकारी सामान वहीं रह जाता है। उसे हटाना गलत है और अगर ऐसा किया गया है तो सरकार इसे देखेगी। सम्राट चौधरी के सरकारी आवास में शिफ्ट होने से पहले एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया। तेजस्वी यादव पर सरकारी बंगले में पानी के नल और लाइट समेत जरूरी सामान लूटने का आरोप लगा है। सम्राट चौधरी के निजी सचिव शत्रुघ्न प्रसाद ने बताया कि हम सामने ला रहे हैं कि कैसे डिप्टी सीएम के घर से सामान लूटा गया है। जब सुशील मोदी इस घर में शिफ्ट हुए थे, तो वहां दो हाइड्रोलिक बेड थे, मेहमानों के लिए सोफा सेट थे और यह प्रेस सहित हर जगह देखने के लिए था। वे सभी चीजें गायब हैं।

उन्होंने दावा किया कि 20 से अधिक स्प्लिट एसी गायब हैं। ऑपरेशन रूम में कोई कंप्यूटर या कुर्सी नहीं है। किचन में कोई फ्रिज या आरओ नहीं है। दीवारों से लाइटें गायब हैं। बिहार भाजपा के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल, जिन्होंने परिसर का निरीक्षण भी किया, ने कहा, ÷सम्राट चौधरी को यह बंगला आवंटित किया गया है और उन्हें नवरात्रि में इस घर में स्थानांतरित होना था। वॉश बेसिन, पानी के नल और फर्नीचर जैसी आवश्यक चीजें गायब हैं। हाइड्रोलिक बिस्तर हटा दिया गया है। बैडमिंटन कोर्ट में चटाई हटा दी गई है। जिम खाली है, कोई व्यायाम मशीनें नहीं हैं।'

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) ने भी भाजपा के सुर में सुर मिलाते हुए कहा कि यह पहले से ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि तेजस्वी ने अपने पद से हटने के इतने लंबे समय बाद सरकारी बंगला खाली कर दिया। इस बीच, राजद ने आरोपों का खंडन किया, क्योंकि पार्टी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने दावा किया कि भाजपा तुच्छ राजनीति में शामिल है।

सम्यक् ज्ञान, दर्शन व चारित्र है मोक्ष का मार्ग : महातपस्वी महाश्रमण

लोकतेज, सूरत। गुजरात राज्य के औद्योगिक शहर सूरत में जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान अधिशास्ता, अहिंसा यात्रा प्रणेता, युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी का चतुर्मास अब भले ही पूर्णता की ओर अग्रसर हो रहा है, किन्तु सूरतवासियों की भक्तिभावना और मानों प्रबलता को प्राप्त हो रही है। प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु सूर्योदय से पूर्व ही अपने आराध्य की निकट सन्निधि में उपस्थित होकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करते हैं, जो क्रम देर रात तक चलता रहता है। साथ ही देश के विभिन्न हिस्सों से संघबद्ध रूप में अभी भी दर्शनार्थियों के आने का तांता लगा हुआ है। वर्तमान में पूरे विश्व में शक्ति की आराधना का महापर्व नवरात्र प्रारम्भ तो आचार्यश्री की मंगल सन्निधि में आध्यात्मिक अनुष्ठान का क्रम गतिमान है।

युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी ने महावीर समवरण में उपस्थित भक्तिमान श्रद्धालु जनता को अपनी अमृतवाणी का रसपान कराने से पूर्व नवरात्रि आध्यात्मिक अनुष्ठान से जोड़ा, जो क्रम लगभग आधे घंटे तक चला। तदुपरान्त अहिंसा यात्रा प्रणेता आचार्यश्री महाश्रमणजी ने समुपस्थित जनता को आयारो आगम आधारित पावन प्रतिबोध प्रदान करते हुए कहा कि तुच्छ कौन होता है? जिसमें सद्गुणों की कमी होती है, वह तुच्छ होता है। जिस गृहस्थ के पास धन का अभाव होता है, वह तुच्छ हो सकता है तो दूसरी ओर जिस साधु में साधना की कमी होती है, वह तुच्छ हो सकता है। जो तुच्छ होता है, वह बोलने में भी ग्लानि का अनुभव करता है। तीर्थंकरों की आज्ञा का पालन नहीं करने वाला साधु तुच्छता की श्रेणी में आ जाता है। आचार का पालन करने वाले साधु की वाणी में भी मानों साधना मुखर होती है। ज्ञानी और साधक होना बहुत अच्छी बात होती है।

इसके लिए यहां प्रेरणा दी गयी कि जीवन में सम्यक् ज्ञान के साथ सम्यक् आचार भी हो तो विशेष बात हो सकती है। ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप रूपी चतुरंगी मार्ग है, जिसे तीर्थंकरों ने प्राप्त किया है। ज्ञान से जानता है, दर्शन से श्रद्धा करता है, चारित्र से कर्मों का निग्रह करता है और तप से विशोधि करता है। सम्यक् ज्ञान, सम्यक् दर्शन, सम्यक् चारित्र मोक्ष का मार्ग है।

अणुव्रत अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी ने अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के अंतिम दिन उपस्थित जनता को प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि हमारे गुरुदेव आचार्यश्री तुलसी ने अणुव्रत आन्दोलन का शुभारम्भ किया था। उसका पचहत्तरवां वर्ष भी मना लिया गया है। आज अंतिम दिन जीवन विज्ञान दिवस के समायोजित है। यह शिक्षा जगत के लिए है। शिक्षा में ज्ञान बढे तो यह तो अच्छी बात होती ही है, इसके शिक्षा संस्कारों से युक्त हो तो बहुत ही सुन्दर बात हो सकती है। जीवन कैसे जीना, श्वास कैसे लेना, चलना, बोलना, बैठना, व्यवहार करना आदि सभी में कलात्मक रूप में हो। विद्यार्थियों में भाव और विचार अच्छे हों, इसका प्रयास हो। जीवन सादगी और संयम से युक्त हो। सद्विचार और सदाचार जीवन में आ गया तो जीवन का विज्ञान जीवन में आ सकता है। आचार्यश्री ने समुपस्थित विद्यार्थियों को सद्भावना, नैतिकता व नशामुक्ति की प्रेरणा देते हुए इनके संकल्प भी स्वीकार कराई। आचार्यश्री ने विद्यार्थियों को महाप्राण ध्वनि का प्रयोग कराया। आचार्यश्री ने समुपस्थित मुनि भव्यकीर्तिसागरजी को साधना का अच्छा क्रम चलाने की प्रेरणा प्रदान की।

साधु जीवन साधना के लिये हैं : आचार्य जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी

लोकतेज, सूरत। श्री कुशल कांति खरतरगच्छ भवन पाल में युग दिवाकर खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी ने 16 दिवसीय सूरि मंत्र की साधना का प्रारंभ किया है। सूरिमंत्र की इस पांचवीं पीठिका का समापन 20 अक्टूबर को प्रातः बजे महामांगलिक के साथ होगा। इन दिनों वे प्रतिदिन आयंबिल तप की साधना करेंगे और सर्वथा मौन रहेंगे। पूर्ण एकांतवास में चलने वाली इस साधना के लिये हॉल को बहुत ही बेहतरीन तरीके से सजाया गया है।

साधना में प्रवेश से पूर्व आचार्य जिनमणिप्रभसूरि ने कहा- साधु जीवन साधना के लिये हैं। साधना से अपनी आत्मा को पवित्र करना होता है। यह साधना विश्वकल्याण करने वाली है। इस पीठिका में गौतमस्वामी की साधना की जाती हैं। इसमें एक लाख मंत्रों का जाप करना होता है। 20 को पहले महापूजा होगी, बाद में मांगलिक होगी। साधना का लाभ वनेचंदजी मंडोवरा परिवार सिणधरी वालों ने लिया है। आचार्यश्री ने पूर्व में पांचों पीठिकाओं की साधना पूर्ण करके यह दूसरी बार पांचवीं पीठिका की साधना कर रहे हैं।

मॉडल टाउन डुंभाल माहेश्वरी सभा एवं माहेश्वरी सेवा सदन द्वारा महेश गरबा महोत्सव का आयोजन

लोकतेज, सूरत। मॉडल टाउन डुँभाल माहेश्वरी सभा एवं माहेश्वरी सेवा सदन द्वारा माहेश्वरी सेवा सदन पर्वत पाटिया में रविवार को सुबह 11 बजे 108 बालिकाओं के लिए कन्या पूजन एवं प्रसाद का आयोजन रखा गया है। जबकि दोपहर 4 बजे महेश गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें ट्रेडिशनल ड्रेस से सुसज्जित महिलाएं, पुरुष एवं नवयुवक-युवतियों ने भाग लिया। मॉडल टाउन डुँभाल माहेश्वरी सभा के सचिव राकेश पुंगलिया ने बताया कि कार्यक्रम में 800 लोगों की उपस्थिति रही, जिसमें मुख्य अतिथि महासभा उपसभापति विजय राठी, अतिथि विशेष महासभा कार्यसमिति सदस्य मुरली सोमानी, सेवा सदन अध्यक्ष श्याम राठी एवं सूरत जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष पवन बजाज एवं सचिव अतीन बाहेती थे।

उपस्थित गणमान्यों ने दीप प्रज्ज्वलित एवं माँ अम्बे की आरती के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभा अध्यक्ष अनिल मणियार ने बताया की महेश गरबा महोत्सव मे भाग लेने वालो सभी प्रतिभागियों को एवं सर्व श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक सत्यनारायण कपूरिया ने कार्यक्रम के सभी भामाशाहों का सम्मान किया। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज की सभी सस्थाओ के पदाधिकारी उपस्थित रहे एवं सभी ने सुन्दर आयोजन के लिए उपस्थित कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। अन्त में सेवा सदन के सचिव शैलेश चांडक ने महोत्सव में सम्मिलित सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के पश्चात आयोजन समिति द्वारा महाप्रसाद का आयोजन भी रखा गया।

अभिलाषा हाइट सोसायटी पर्वत पाटिया में नवरात्रि उत्सव

लोकतेज, सूरत। अभिलाषा हाइट सोसायटी पर्वत पाटिया में बड़े धूम धाम से नवरात्रि उत्सव मनाया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन मां अम्बे की भव्य आरती के साथ उत्सव की शुरुआत होती है। सभी बच्चे महिलाएं और बड़े मिलकर नवरात्रि गरबा करते हैं। प्रायोजकों द्वारा उत्सव को प्रायोजित किया गया है। जिसमें रोज अलग- अलग प्रकार से इनाम वितरण किए जाते हैं। आगामी दुर्गाष्टमी को महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें काफी जोड़े हवन में बैठेंगे। विजय दशमी को रावण दहन का कार्यक्रम होगा और अलग झांकी का प्रदर्शन होगा, तत्पश्चात महाप्रसादी का आयोजन किया गया है। अभिलाषा उत्सव कमिटी के द्वारा ये आयोजन किया गया है। यह जानकारी मंगल वैष्णव ने दी है।

एकल दिवाली मेले में उमड़ीं महिलाओं की भीड़

लोकतेज, सूरत। वनबंधु परिषद महिला समिति द्वारा दो दिवसीय एकल दिवाली मेले का आयोजन सोमवार से सिटी-लाईट स्थित माहेश्वरी भवन में किया गया 7 मेले के पहले दिन ही महिलाओं की अच्छी भीड़ देखने को मिली। मेले की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई। मेले में एकल अभियान द्वारा ग्रामीणों से बनाई हल्दी, दीपक, रागी पापड़ आदि का भी प्रदर्शन किया गया। मेले में विभिन्न तरीक़ों के डिज़ाइनर परिधान, ज्वैलरी, आर्ट-क्राफ़्ट वर्क, आगामी दिवाली के त्यौहार को देखते हुए होम डेकॉर आदि का भव्य प्रदर्शन किया गया है। मेले का समापन मंगलवार को होगा।

एमेजॉन इंडिया ने डिलीवरी एसोसिएट्स के लिए विस्तृत सुरक्षा और कल्याण कार्यक्रम लांच किया

लोकतेज, सूरत। एमेजॉन इंडिया ने डिलीवरी एसोसिएट्स की बेहतरी पर जोर देते हुए डायल 4242 के साथ साझेदारी कर एम्बुलेंस सेवाओं को शुरू किया हैं। इसका उद्देश्य सुरक्षा के उपायों को बढ़ाना और डिलीवरी एसोसिएट्स के स्वास्थ्य को अहमियत देना है। इतना ही नहीं एमेजॉन ने बड़े पैमाने पर एक स्वास्थ्य अभियान भी शुरू किया है, जो लगभग 6 महीनों तक चलेगा। इससे उनके डिलीवरी सर्विस पार्टनर और उनके डिलीवरी एसोसिएट्स, साथ ही आई हैव स्पेस और फ्लेक्स कार्यक्रमों के 50,000 से भी ज्यादा एसोसिएट्स को लाभ मिलेगा। इस अभियान के तहत डिलीवरी एसोसिएट्स को मुफ्त स्वास्थ्य जांच सुविधा मिलेगी जिसमें आंखों और दांतों की जांच शामिल है, साथ ही उनमें मौजूदा स्वास्थ्य और दुर्घटना कवरेज के बारे में जागरूकता बढ़ाने का भी काम किया जाएगा, जिसमें महिला डिलीवरी एसोसिएट्स के लिए मातृत्व कवर को भी शामिल किया गया है। इन मजबूत प्रयासों से एमेजॉन की यह प्रतिबद्धता साफ झलकती है कि वह अपने डिलीवरी एसोसिएट्स को एक सुरक्षित और सहायक माहौल देना चाहते हैं। सभी जरूरी चिकित्सा सेवाओं को सुनिश्चित करके और समग्र भलाई को अहमियत देकर, एमेजॉन डिलीवरी एसोसिएट्स को सशक्त और सुरक्षित रखने के प्रति उनके दृढ़ संकल्प को उजागर करता है।

Q1-वित्त वर्ष 2025 में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ 99.35% के साथ दावा निपटान अनुपात में शीर्ष पर है

लोकतेज, सूरत। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने क्1-वित्त वर्ष 2025 के लिए 99.35% का दावा निपटान अनुपात दर्ज किया है, जो देश के सभी जीवन बीमाकर्ताओं में सबसे अधिक है। विशेष रूप से, दावा निपटान का औसत समय केवल 1.2 दिन था। साथ ही, इस अवधि के दौरान कंपनी द्वारा निपटाए गए मृत्यु दावों की कुल लागत रु. 381.24 करोड़. श्री अमीश बैंकर, मुख्य परिचालन अधिकारी, ग्राहक सेवा, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने कहा, जीवन बीमा एक ऐसा उत्पाद है जो कमाने वाले सदस्य के खोने की स्थिति में परिवार की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इसलिए, हम हर दावे पर अत्यंत संवेदनशीलता और तेजी से कार्रवाई करते हैं। Q1-FY2025 के लिए हमारा व्यक्तिगत मृत्यु दावा अनुपात 99.35% था और गैर-जांच मृत्यु दावों को निपटाने का औसत समय केवल 1.2 दिन था। हमारा मानना है कि हमारा दावा निपटान अनुपात उद्योग में सर्वश्रेष्ठ में से एक है। इसी अवधि के लिए, हमने कुल रु. 381.24 करोड़ का दावा निपटाया गया। हमारे पास लगातार उद्योग में अग्रणी दावा निपटान अनुपात रखने का इतिहास है। उदाहरण के लिए, Q1-FY2024 में यह 97.94% था, Q2-FY2024 के लिए यह 98.14% था, Q3-FY2024 में यह 98.52% था और FY2024 के लिए यह 99.17% था।

एमेज़ॉन ने देश में डिलीवरी क्षमताएं बढ़ाने के लिए इंडिया पोस्ट के साथ एमओयू पर दस्तखत किए

लोकतेज, सूरत। एमेज़ॉन ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज़ प्राईवेट लिमिटेड (एमेज़ॉन इंडिया) ने आज देश में अपने लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए पोस्टल विभाग (इंडिया पोस्ट) के साथ एक मेमोरैंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर दस्तखत किए। एमेज़ॉन के ग्राहक केंद्रित और टेक्नोलॉजिकल कौशल के साथ इंडिया पोस्ट के अंतिम छोर तक पहुँच रखने वाले डिलीवरी नेटवर्क और दशकों की विशेषज्ञता की मदद से यह गठबंधन ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर देगा। इस एमओयू के अंतर्गत ये दोनों अपने लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में क्षमता को साझा करने, संसाधनों के ज्यादा प्रभावी उपयोग और एफिशियंसी बढ़ाने के लिए सुगम इंटीग्रेशन और ज्ञान के आदान-प्रदान द्वारा अपने ऑपरेशंस में तालमेल बनाएंगे। इस गठबंधन द्वारा दोनों संगठनों का विकास होगा तथा एमेज़ॉन के ग्राहकों के लिए डिलीवरी के अनुभव में सुधार आएगा। खासकर दूरदराज और ग्रामीण हिस्सो के ग्राहकों को इस साझेदारी का विशेष लाभ मिलेगा। पिछले 2 से 3 सालों में एमेज़ॉन के लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में इंडिया पोस्ट की पहुँच बढ़कर दोगुनी से ज्यादा हो गई है, जिसके पिकअप पॉईंट देश में 6 स्थानों से बढ़कर 13 स्थानों तक पहुँच गए हैं। एक अन्य पहल में एमेज़ॉन इंडिया पोस्ट के साथ एंड-टू-एंड इंटीग्रेटेड कैश-ऑन डिलीवरी समाधान प्रदान करने वाली पहली कंपनी बन गई। इन पहलों एवं अन्य सुधारों के साथ पिछले 18 महीनों में इंडिया पोस्ट द्वारा डिलीवर किए जाने वाले एमेज़ॉन के पार्सल बढ़कर लगभग 3 गुना हो गए हैं।

नवरात्र के पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा कर निहाल हुये श्रद्धालु, पूर्व मंत्री दर्शना जरदोस, विधायक पूर्णेश मोदी ने नवाया शीश

बिहार विकास परिषद मना रहा है दुर्गापूजा महोत्सव, उद्योगपति रतनजी दारूका ने मां के दरबार में लगायी हाजिरी

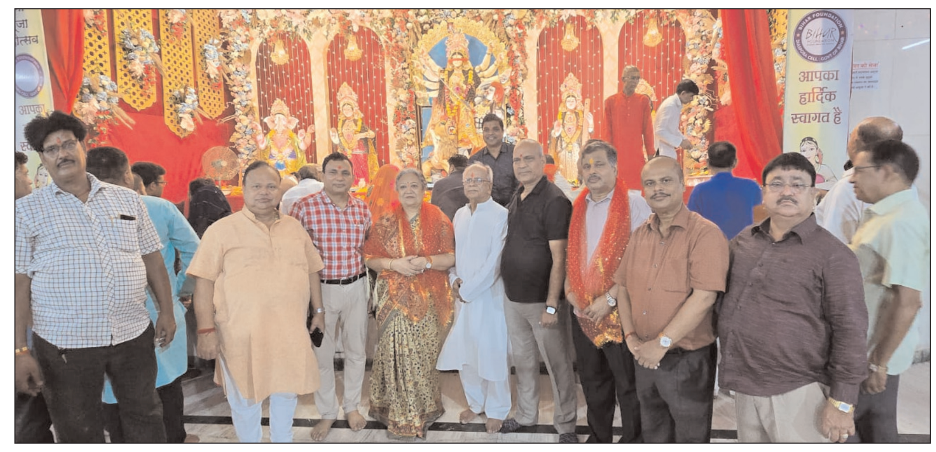

वीरेन्द्र प्रताप दुबे

सूरत। शारदीय नवरात्रि हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है, जिसकी शुरुआत आश्विन माह में होती हैं। इस दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती हैं, जिनमें शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, और सिद्धिदात्री माता का नाम शामिल है। इस अवधि में व्रत रखने का भी विधान है, जिससे देवी की कृपा प्राप्त होती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि का उपवास रखने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही मनोवांछित फलों का योग बनता है।

मां के आशीर्वाद से सूरत समेत देशभर में सुख-समृद्धि बनी रही इसी उद्देश्य को लेकर बिहार विकास परिषद् सूरत हर वर्ष की भांति, इस बार मां दुर्गा पूजा महोत्सव मना रहा है। सिंधी समाज की वाडी रामनगर रांदेर रोड सूरत मे दुर्गपूजा का आयोजन परिषद द्वारा किया गया है। नवरात्र के पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा हुयी। स्कंदमाता, मां दुर्गा का पाँचवाँ रूप हैं और उन्हें भगवान कार्तिकेय (स्कंद) की माता के रूप में पूजा जाता है। माता का स्वरूप, गोद में भगवान स्कंद (कार्तिकेय) विराजमान हैं। इनका वाहन सिंह है और ये कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं, इसलिए इन्हें पद्मासना भी कहा जाता है। इन्हें ज्ञान, मोक्ष, प्रेम और सौम्यता की देवी माना जाता है। माता के इस रूप की पूजा से संतान सुख और परिवारिक शांति की प्राप्ति होती है।

बिहार विकास परिषद आयोजित माँ दुर्गा महोत्सव मे सूरत की पूर्व सांसद, केंद्रीय मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोष , सूरत पश्चिम के लोकप्रिय विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री पूर्णश मोदी, नवरात्र के चौथे दिन शहर के ख्यातिप्राप्त एडोवकेट विनय आर.शुक्ला संग सूरत ब्राम्हण समाज के लोग मातारानी की आरती की और माँ दुर्गा का आशीर्वाद ग्रहण किया 7 प्रतिदिन प्रातः और सायंकाल आरती एवं प्रसाद वितरण का कार्य संपन्न होता है। दिनांक 08.10.2024 महिला समिति द्वारा बच्चों के लिए प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन है। 09.10.2024 सप्तमी के दिन शुश्री प्रीति सरगम सिंह, भजन गा?यिका जबलपुर म्युजिकल संध्या का आयोजन किया गया है। 10.10.2024 को जिसमे प्रसिद्ध गायक श्री सुरेश जोशी एवं संजय अग्रवाल द्वारा भजन संध्या कार्यक्रम होगा। 11.10.2024 के दिन भोजपुरी गा?यिका प्रियंका सिंह एवं माटी के लाल अनिल यादव द्वारा भजनों की प्रस्तुति होगी। परिषद समस्त धर्मप्रेमियों को कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिये सादर आमंत्रित कर रहा है। बताते चलें कि भारत में नवरात्रि के पर्व को अलग-अलग मान्यताओं के साथ मनाया जाता है। सूरत (गुजरात) में इसकी अलग रौनक देखने को मिलती है। यहां जगह-जगह गरबा, डांडिया व रामलीला जैसे धार्मिक कार्यक्रम भी किए जाते है, जिसकी शुरुआत नवरात्रि के पहले दिन होती है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने की सचिन तेंदुलकर के साथ शानदार साझेदारी, बनाया वैश्विक ब्रांड एंबेसडर

लोकतेज, सूरत। बड़ेवैश्विक नेटवर्क वाले भारत के सबसे भरोसेमंद बैंकों में से एक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने आज क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर को बैंक के वैश्विक ब्रांड एंबेसडर के रूप में अनुबंधित किए जाने की घोषणा की। सचिन तेंदुलकर और बैंक ऑफ़ बड़ौदा के बीच यह साझेदारी बैंक के उत्कृष्टता और विश्वास जैसे बुनियादी मूल्यों पर आधारित है। यह साझेदारी एक ऐसे समय पर हुई है जब बैंक ऑफ़ बड़ौदा व्यवसाय विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के एक नए चरण में प्रवेश करने वाला है और सचिन की ब्रांड वैल्यू से इसे नई गति मिलेगी।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा सचिन के साथ मिलकर अपने पहले अभियान प्ले द मास्टरस्ट्रोक की शुरूआत कर रहा है। यह अभियान लोगों को प्रेरित करेगा कि वे एक मास्टरस्ट्रोक खेलें और एक सदी से अधिक की विरासत और करोड़ों लोगों के भरोसे पर खरे बैंक से जुड़कर अपने आर्थिक लक्ष्यों की पारी में एक बड़ा स्कोर बनाएं। भारत के विविधता पूर्ण प्रदेशों और देश के कोने-कोने में अपनी लोकप्रियता के साथ, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के ब्रांड एंबेसडर के रूप में सचिन, बैंक के सभी ब्रांडिंग अभियानों, ग्राहक शिक्षा एवं वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों तथा धोखाधड़ी की रोकथाम पर जागरूकता अभियानोंतथा ग्राहक एवं कर्मचारी जुड़ाव कार्यक्रमों का मुख्य आकर्षण बनेंगे। बैंक ऑफ़ बड़ौदा की 17 देशों में व्यापक उपस्थिति है और एक वैश्विक स्पोर्ट्स ब्रांड के रूप में सचिन वैश्विक मंच पर बैंक के ब्रांड को और ऊंचाई पर लेकर जाएंगे। इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री देबदत्त चांद ने कहा, भारत के खेल दिग्गजों में से एक सचिन तेंदुलकर को अपना वैशविक ब्रांड एंबेसडर घोषित करना बैंक ऑफ़ बड़ौदा के लिए बहुत गौरव का क्षण है। सचिन एक वैश्विक आइकन हैं जिन्होंने हमेशा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नेतृत्व किया है औरअपने खेल से हमें प्रेरित किया है। जिस तरह उन्होंने अपने बेहतरीन कॅरियर के माध्यम से एक समूचे राष्ट्र को प्रेरित किया है, उसी तरह बैंक ऑफ़ बड़ौदा देश भर में करोड़ों लोगों के लिए एक विश्वसनीय साझेदार रहा हैऔरउनके वित्तीय लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक बन रहा है। सचिन नेतृत्व, उत्कृष्टता, विश्वास, निरंतरता जैसे जीवन मूल्यों और ऐसी विरासत के प्रतीक हैं जो बैंक ऑफ़ बड़ौदा की शताब्दी से अधिक की यात्रा के मूल आधार हैं। हम सचिन के साथ जुड़ने और इस साझेदारी को आगे ले जाने के लिए अत्यधिक उत्साहित हैं।

Sensodyne ने विश्व डेंटिस्ट दिवस के अवसर पर एआई-पॉवर्ड पर्सनालाईज़्ड वीडियो द्वारा डेंटिस्ट की भूमिका को सम्मानित किया

THIS WORLD DENTIST DAY
SENSODYNE CELEBRATES DENTISTS.
#DoctorsOfJoy

लोकतेज, सूरत। हाउस ऑफ Haleon (पूर्व में Gla&oSmithKline Consumer Healthcare) ने देश में एक इनोवेटिव डिजिटल कैंपेन शुरू किया है, जिसमें एआई का उपयोग करके पूरे देश में डेंटिस्ट्स के वीडियो बनाए गए हैं। इन वीडियो में ओरल हैल्थ में सुधार लाने और लोगों के दैनिक अनुभव खुशनुमा बनाने में उनकी भूमिका प्रदर्शित की गई है। Haleon में कैटेगरी लीड- ओरल हैल्थकेयर, किश्लय सेठ ने कहा, ''Sensodyne में हम लोगों को स्वस्थ और खुशनुमा जीवन प्रदान करने में डेंटिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हैं। इस विश्व डेंटिस्ट दिवस के अवसर पर हम लोगों के जीवन में खुशी लाने के लिए डेंटिस्ट्स को सम्मानित करना और उनका आभार व्यक्त करना चाहते हैं। व्यक्तिगत वीडियो बनाकर हमारा उद्देश्य हर डेंटिस्ट के योगदान को सम्मानित करना और उन्हें यह दिखाना है कि वो लोगों के ओरल स्वास्थ्य एवं संपूर्ण सेहत में सुधार लाने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।''

इस अभियान के लिए एआई की मदद से डेंटिस्ट्स के 4000 कस्टमाईज़्ड वीडियो बनाए गए हैं, जो उन्हें 'डॉक्टर्स ऑफ जॉय' के रूप में सम्मानित करते हैं। ये व्यक्तिगत वीडियो लोगों की ओरल हैल्थ की समस्याओं को ठीक करके उन्हें खुशी के क्षण प्रदान करने और खुशी फैलाने में डेंटिस्ट की भूमिका के लिए उनका आभार प्रकट करते हैं। ये वीडियो विभिन्न शहरों में साझा किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य लोगों के जीवन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित करना है। ये वीडियो देश के 800 पिनकोड्स में वितरित किए जाएंगे, साथ ही यूट्यूब जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर भी प्रसारित किए जाएंगे, जो मेट्रो, टियर 1 और टियर 2 शहरों के 3.8 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों तक पहुँचेंगे। ये वीडियो दिलचस्प डिजिटल अभियानों द्वारा ओरल हैल्थ में सुधार लाने के Sensodyne के निरंतर प्रयासों को आगे बढ़ा रहे हैं। इन व्यक्तिगत वीडियो के अलावा सेंसाडाईन ने चार शॉर्ट फिल्में भी रिलीज़ की हैं, जिनमें लोगों को जीवन के बहुमूल्य क्षणों का आनंद लेने में समर्थ बनाने की डेंटिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका प्रदर्शित होती है।

पंजाब के बाद उड़ता मध्य प्रदेश

राकेश अचल

प्रश्न उठता है कि यह सब ड्रग्स का कारोबार मध्यप्रदेश में कब से चल रहा था और इसका किन किन प्रांतों में फैलाव है। इस नेटवर्क से जुड़े हुए मध्यप्रदेश के तस्करों को चिन्हित कर गिरफ़्तार किया जायेगा या नहीं ? जिस जगह पर जिस व्यापक स्तर पर यह कारोबार चल रहा था उस पर भोपाल पुलिस, क्राइम ब्रांच, एसटीएफ, खुफि या विभाग, राज्य नारकोटिक्स ब्यूरो किसी को पता नहीं चलना यह दशार्ता है कि पुलिस कुछ भी नहीं कर रही है और यह स्पष्ट रूप से पुलिस विभाग के मुखिया की नेतृत्व क्षमता पर सवाल खड़े करता है।

हरियाणा और जम्मू-काश्मीर विधानसभाओं के लिए चुनाव होने के बाद आज और कल का दिन खबरों के लिहाज से शून्यकाल है। इस शून्यकाल में मै अपने सूबे मध्यप्रदेश को ले रहा हूँ । एक जमाना था जब देश में पंजाब उड़ता पंजाब हो गया था और एक समय ये है कि हमारा मध्यप्रदेश पंजाब के बाद अब उड़ता मध्यप्रदेश हो गया है।मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सूबे के हर जिले में बरसाना बसना चाहते हैं लेकिन उनकी पुलिस की अकर्मण्यता ने प्रदेश के हर जिले में ड्रगिस्तान बसा दिए है।

मध्यप्रदेश कमाई उड़ता हुआ तो बहुत दिनों से देख रहा था,लेकिन इस बारे में लिखने में संकोच कर रहा थी । कौन अपनी जाँघा उघाड़कर दिखाए, लेकिन जब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दस मोदी जी ने शनिवार को महाराष्ट्र में कहा कि-ह्ल कांग्रेस नशे के पैसों से चुनाव लड़ना चाहती है तो मुझे अपना उड़ता हुआ मध्यप्रदेश नजर आने लगा।

दुनिया जानती है कि भारत में मोदी युग के कथित अमृतकाल की वक्त ने उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है । 8 अक्टूबर को इसका प्रमाण भी मिलने जा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री जी के कांग्रेस पर लगाए गए आरोप के कुछ ही घंटों बाद डबल इंजिन से चलने वाली प्रचंड बहुमत वाली मप्र सरकार की राजधानी भोपाल में 1800 करोड़ रू.के ड्रग्स मेफेड्रोन [एम डी] की फेक्ट्री और 5000 करोड़ के कच्चा माल भी पकड़ा गया है।

आपको पता है कि मध्यप्रदेश के भोपाल और इंदौर शहर में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू है। इसके लागू होने के चलते ये यह फेक्ट्री कई दिनों से चल रही थी लेकिन किसी को इसकी भनक तक नहीं थी । या फिर पुलिस कमिश्नर से लेकर दूसरे तमाम लोग इस नशे के कारोबार के बारे में सब कुछ जानते हुए इसे संरक्षण दे रहे थे,क्योंकि पैसा सबको चाहि। सरकार को भी और पुलिस वालों को भी। सब जानते हैं कि मध्यप्रदेश में पिछले 21 वर्ष से भाजपा कि सरकार है न कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप साहब की सरकार।

मुमकिन है कि कांग्रेस नशे के पैसे से चुनाव लड़ रही हो लेकिन हकीकत ये है कि माननीय प्रधानमंत्री जी के गृहराज्य गुजरात जिसे गांधी का गुजरात भी कहा जाता है पिछले अनेक वर्षों से नशे का हृदय प्रदेश बना हुआ है। मप्र की सीमाओं से सभी कि स्म का नशा गुजरात होते हुए गोवा तक जा रहा है । अब गुजरात में हमारे पड़ौसी पाकिस्तान के नवाज शरीफ की सरकार तो है नहीं। गुजरात में भी 22 साल से दुनिया कि सबसे बड़ी पार्टी भाजपा कि सरकार है। खास बात ये है कि जिस प्रदेश में पूर्ण शराब बंदी हैं वहां देश कि सबसे बड़ी नशे की मंडी बन गयी है

मध्यप्रदेश में तो नशे कि बड़ी खेप कल पकड़ी गयी है किन्तु आपको याद होगा कि . गुजरात के ही मुंद्रा पोर्ट में 22 हजार करोड़ रू. की ड्रग बहुत पहले पकड़ी जा चुकी है। यह पोर्ट किसका है और पोर्ट वाले पर किसकी कृपा बरस रही है ये देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया जानती है। यह ड्रग्स कहां से आई, किसने भेजी,कहां-कहां पहुंचनी थी, यह रहस्य काल के गाल में कहां समा गय। यह भी ठीक वैसा ही रहस्य है,जैसे जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में हमारे 40 सैनिकों की शहीदी के लिए चाक चौबंद सुरक्षा के बावजूद भी 350 क्विंटल आरडीएक्स कहां से आया था?

मुझे हैरानी है कि प्रधानमंत्री जी के अधीन देश के सुरक्षा सलाहकार, तीनों सेना,रॉ,एनआईए,सीबीआई जैसी तमाम महत्वपूर्ण सुरक्षा एजेंसियां मौजूद हैं, फिर भी डबल इंजिन से चलने वाले गुजरात और मध्यप्रदेश में आखिरकार इसतरह की सेंध कहां से लग रही है ? कौन लगा रहा हैं? क्या यह सरकार संरक्षित उपक्रम है या इन सभी एजेंसियों को पंगु बना दिया गया है ?

हम जैसे नामुराद लोग अक्सर सत्ता प्रतिष्टान में बैठे लोगों को आइना दिखने का काम करते आये हैं। इसलिए अनुरोध भी करते रहते हैं कि सत्ताधीश इसे अपना अपमान नसमझे । उन्हें पता होना चाहिए कि आइना चाहे कांच का हो या पानी का सही तस्वीर दीखता है । नारद जी को भी इसी जल मुकुर ने उनका मर्कट रुप तब दिखाया था जब वे राजकुमारी के मोह में पड़ गए थे। मेरा मध्य प्रदेश के पढ़े-लिखे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से अनुरोध है कि वे बात-बात पर पुलिस अधिकारीयों का तबादला करने,उन्हें निलंबित करने के बजाय सबसे पहले अपने प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को ही बदल ले, बेहतर हो कि वे पुलिस कमिश्नर प्रणाली कि ही समीक्षा कर देखें । क्योंकि यदि पुलिस कमिश्नर प्रणाली में छेड़ न होते तो मध्यप्रदेश आसानी से उड़ता मध्यप्रदेश न बन पाता। मध्यप्रदेश में गुजरात कि पुलिस का घुसना और दर्ज का जखीरा पकड़ना ही इस बात का प्रमाण है कि इस कारोबार के पीछे मध्यप्रदेश कि पुईस भी होगी और चुनाव लड़ने वाले लोग भी।

ड्रग माफिया पर रेड की कार्रवाई अचानक तो नहीं हुई है। जाहिर है कि मध्यप्रदेश पुलिस ने जब इस तरह कार्रवाई करने से अपना चेहरा छिपाया होगा तब जाकर गुजरात एटीएस ने यह कार्रवाई की योजना बनाई होगी ,क्योंकि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की सूचना होती तो कार्रवाई करने के लिए गुजरात एटीएस की मदद नहीं लेती। दोनों राज्यों में एक ही दल की सरकार है इस सूचना को मध्यप्रदेश पुलिस को बता कर कार्रवाई कराई जा सकती थी। परंतु मध्य प्रदेश पुलिस पर गुजरात एटीएस को कदापि भरोसा नहीं था यह कारण है कि जब सूचना पर कार्रवाई करने की बात आयी तो नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की मदद ली। सूचना एनसीबी की होती तो वह मध्यप्रदेश पुलिस के साथ मिलकर कार्यवाही कर लेता।

प्रश्न उठता है कि यह सब ड्रग्स का कारोबार मध्यप्रदेश में कब से चल रहा था और इसका किन किन प्रांतों में फैलाव है। इस नेटवर्क से जुड़े हुए मध्यप्रदेश के तस्करों को चिन्हित कर गिरफ़्तार किया जायेगा या नहीं ? जिस जगह पर जिस व्यापक स्तर पर यह कारोबार चल रहा था उस पर भोपाल पुलिस, क्राइम ब्रांच, एसटीएफ, खुफि या विभाग, राज्य नारकोटिक्स ब्यूरो किसी को पता नहीं चलना यह दशार्ता है कि पुलिस कुछ भी नहीं कर रही है और यह स्पष्ट रूप से पुलिस विभाग के मुखिया की नेतृत्व क्षमता पर सवाल खड़े करता है क्योंकि उनकी इस कमजोरी का सीधा प्रतिकूल असर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री की छवि व नेतृत्व क्षमता पर पड़ता है।

उड़ते मप्र के मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश को बतौर मुख्यमंत्री व बतौर गृहमंत्री मध्यप्रदेश अपनी छाप वैसे ही छोड़ना चाहिए जैसे डम्फर से एक्सीडेंट पर परिवहन आयुक्त और गुना के पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर को हटा दिया था या गोवंश पर सर्वाधिक कार्रवाई करने वाले ज़िले में कुछ गोवंश को मार कर फेंकने के मामले में सिवनी के पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर को हटा दिया था या एक दीवार गिरने पर सागर के पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर को हटा दिया था या एक प्रायोजित दंगा रोकने और दंगाइयों पर कार्रवाई करने के लिए पुलिस अधीक्षक रतलाम के हटाने की कार्रवाई करके दिया था। या फिर डॉ मोहन यादव वैसी ही चुप्पी साध लेंगे जैसे लोकसभा चुनाव की घोषणा और परिणाम की घोषणा के मध्यप्रदेश पुलिस की छवि धूमिल करने और अकर्मण्यता के कारण शहडोल, आगर मालवा, अशोक नगर और सिहोर के पुलिस अधीक्षकों को हटाते -हटाते इनका नाम लेना तक भूल गए।

संपादकीय

नतीजों की झलक

जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में तथा हरियाणा में सभी सीटों में मतदान संपन्न होते ही एक्जिट पोल के परिणाम आने चालू हो गए। दोनों राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों की मतगणना 8 अक्टूबर को होगी। अलग-अलग संस्थानों द्वारा कराए गए सर्वेक्षणों के अनुसार हरियाणा में कांग्रेस की पूर्ण बहुमत से सरकार बना सकती है जबकि अधिकतर एक्जिट पोल ने जम्मू-कश्मीर में खंड़ित जनादेश का अनुमान व्यक्त किया है। जम्मू-कश्मीर की सभी 90 और हरियाणा की सभी 90 सीटों पर हुए मतदान के नतीजों का देश भर को बेसब्री से इंतजार है। इंड़िया टुडे-सी वोटर एक्जिट पोल के मुताबिक जम्मू-कश्मीर में भाजपा को 27 से 32 सीटें मिल सकती हैं जबकि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन को 40 से 48 सीटों पर जीत मिल सकती है। पीपड़ीपी को 6 से 12 सीटें मिलने का अनुमान है। एक हिन्दी अखबार के सर्वे में कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन को 35 से 40 जबकि भाजपा को 20से 25 सीटें दी गई हैं। पीड़ीपी को सिर्फ 4 से 7 सीटें मिलते बताया गया है। इंड़िया टुडे-सी वोटर के अनुसार हरियाणा में कांग्रेस को 50 से 58, भाजपा को 20 से 28 सीटें मिलती दिख रही हैं। एक अन्य सर्वे में कांग्रेस को 44 से 54 तो भाजपा को 19 से 29 सीटें मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। एक्जिट पोल कराने वाली एजेंसियों द्वारा पोलिंग बूथों के पास खड़े.किए गये सदस्य वोट देकर निकलते वोटर से पूछते हैं, उन्होंने किसे वोट दिया। इसी जानकारी के अनुसार, चुनाव आयोग द्वारा बनाए गए नियमों के आधार पर किए गए विश्लेषण पर ये नतीजे निकाले जाते हैं। इन्हें प्रसारित करने से पूर्व चुनाव आयोग से अनुमति भी लेनी होती है। हालांकि कई बार ये पोल बिल्कुल गलत भी सीबित होते हैं। मगर लोग इन्हें भरपूर उत्साह से देखते हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता उमर अब्बदुल्ला ने इन एक्जिट पोल के नतीजों को खारिज करते हुए इन्हें टाइमपास कहा। चूंकि आम आदमी पार्टी ने भी इस बार हरियाणा विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, इसलिए एक्जिट पोल के नतीजों को लेकर पार्टी काफी नाखुश है। कहा जा रहा है कि भ्रष्टाचार, अपराध और बेरोजगारी के कारण हरियाणा में भाजपा को करारा झटका लगना तय है। उधर, जम्मू-कश्मीर की जनता केंद्र के रवैये को लेकर पहले ही असंतुष्ट है। इसलिए वहां विधानसभा में उसे विपक्ष में बैठना पड़.सकता है। कुल मिला कर यह केवल एक्जिट पोल है, सारा दारोमदार असल नतीजों पर ही टिका है।

चिंतन-मनन

क्या है जीवन का सार

दुख एक मानसिक कल्पना है। कोई पदार्थ, व्यक्ति या क्रिया दुख नहीं है। संसार के सब नाम-रूप गधा-हाथी, स्त्री-पुरुष, पशु-पक्षी, वृक्ष-लता आदि खिलौने हैं। हम अपने को खिलौना मानेंगे तो गधा या हाथी होने का सुख-दुख होगा, अपने को स्वर्ण, मूल्यधातु देखेंगे तो यह मनुष्य देह नहीं रहेंगे। हम विराट् हैं, साक्षात ब्रह्म है। जो मनुष्य इस जगत प्रपंच को सत्य देखता है, उसे माया ने ठग लिया है। जो पहले भी नहीं थे, आगे भी नहीं रहेंगे, बीच में थोड़ी देर को दिखाई दे रहे हैं, उन्हीं को सब कुछ समझ कर माया मोहित मनुष्य व्यवहार कर रहा है। तत्वज्ञान शिक्षा देता है कि जो कुछ दिखाई दे, उसे दिखाई देने दो, जो बदलता है, उसे बदलने दो, जो आता-जाता है, उसे आने जाने दो। यह सब जादू का खेल है। ये हि संस्पर्शजा भोगा दुःखयोनय एव ते। आद्यन्तवन्तः कौन्तेय न तेषु रमते बुधः।

पुराणों में एक कथा आती है- महाराज जनक के जीवन में कोई भूल हो गई थी। मरने पर उन्हें यमलोक जाना पड़ा। वहां उससे कहा गया- नरक चलो। महाराज जनक तो ब्रह्मज्ञानी थे। उन्हें क्या स्वर्ग, क्या नरक। वे प्रसन्नतापूर्वक चले गए। नरक में पहुंचे तो चारों ओर से पुकार आने लगी- महाराज जनक जी! तनिक यहीं ठहर जाइए।

महाराज जनक ने पूछा- यह कैसा शब्द है?

यमदूतों ने कहा-नरक के प्राणी चिल्ला रहे हैं।

जनक ने पूछा-क्या कह रहे हैं ये?

यमदूत बाले-ये आपको रोकना चाहते हैं।

जनक ने आश्चर्य से पूछा-ये मुझे यहां क्यों रोकना चाहते हैं?

यमदूत बोले- ये पापी प्राणी अपने-अपने पापों के अनुसार यहां दारुण यातना भोग रहे हैं। इन्हें बहुत पीड़ा थी। अब आपके शरीर को स्पर्श करके पुण्य वायु इन तक पहुंची तो इनकी पीड़ा दूर हो गई। इन्हें इससे बड़ी शांति मिली।

जनक जी बोले-हमारे यहां रहने से इन सबको शांति मिलती है, इनका कष्ट घटता है तो हम यहीं रहेंगे।

भारतीय वायुसेना के स्थापना दिवसः बेहद शक्तिशाली हो चुकी है भारतीय वायुसेना

योगेश कुमार गोयल

भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 92वां स्थापना दिवस मना रही है। प्रतिवर्ष इस विशेष अवसर पर वायुसेना अपने शौर्य और शक्ति का अभूतपूर्व प्रदर्शन करती है। इस बार अपने 92वें स्थापना दिवस से पहले भारतीय वायुसेना ने 6 अक्तूबर को चेन्नई के मरीना बीच पर भव्य एयर शो का आयोजन किया, जिसमें राफेल, मिग-29, त्तेजस, सुखोई-30 एमकेआई जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स सहित वायुसेना के कुल 72 विमानों ने अपनी ताकत और कुशलता का प्रदर्शन किया और जांबाज वायुवीरों ने भी अपने अदम्य साहस और शौर्य का प्रदर्शन किया। आसमान में वायुवीरों के प्रदर्शनों को देखकर हर कोई रोमांच से भर उठा। एयर शो का सबसे प्रमुख आकर्षण रहा ऐतिहासिक विरासत के रूप में दिखाया गया प्रथम विश्वयुद्ध में इस्तेमाल हुआ हार्वर्ड टी-6जी टैक्सन एयरक्राफ्ट, जिसे भारतीय वायुसेना ने वर्ष 1974 तक ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल किया था। राफेल, मिग-29, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस जैसे फाइटर जेट्स, सारंग, लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर (प्रचंड), एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (ध्रुव) जैसे हेलीकॉप्टर तथा सी-295, अपाचे, डकोटा, चेतक, जगुआर इत्यादि अन्य एयरक्राफ्ट भारतीय वायुसेना की अभेद्य ताकत बन चुके हैं। भारतीय वायुसेना दिवस के अवसर पर हर साल एयर शो आयोजित करने का प्रमुख उद्देश्य न केवल पूरी दुनिया को भारत की वायुशक्ति से रूबरू कराना है बल्कि युवाओं को वायुसेना में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना भी है।

भारतीय वायुसेना में इस समय राफेल, सुखोई 30, मिराज 2000, जगुआर, तेजस, आरपीए 50, मिग-27, मिग-29 के अलावा हेलीकॉप्टर ध्रुव, चिनूक, चेतक, चीता, एमआई-8, एमआई-17, एमआई-26, एमआई-25 एचएएल लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, एचएएल रुद्र इत्यादि अत्याधुनिक विमान शामिल हैं, जो किसी भी विकट स्थिति में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारतीय वायुसेना को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना होने का गौरव हासिल है। देश की करीब 24 हजार किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय वायुसेना पूरी मुस्तैदी के साथ निभाती रही है और वायुसेना के बेड़े में दमदार लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों तथा अत्याधुनिक मिसाइलों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है, जिनके कारण हमारी वायुसेना अब पहले के मुकाबले कई गुना शक्तिशाली हो चुकी है। अब हम हवा में पहले के मुकाबले बहुत मजबूत हो चुके हैं तथा दुश्मन की किसी भी तरह की हरकत का अधिक तेजी और ताकत के साथ जवाब देने में सक्षम हैं। भारत के मुकाबले चीन के पास भले ही दो गुना लड़ाकू और इंटरसेप्टर विमान हैं, भारत से दस गुना ज्यादा रॉकेट प्रोजेक्टर हैं लेकिन रक्षा विश्लेषकों के अनुसार चीनी वायुसेना भारत के मुकाबले मजबूत दिखने के बावजूद भारत का पलड़ा उस पर भारी है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक गिनती और तकनीकी मामले में भले ही चीन सहित कुछ देश हमसे आगे हो सकते हैं लेकिन संसाधनों के सटीक प्रयोग और बुद्धिमता के चलते दुश्मन देश सदैव भारतीय वायुसेना के समक्ष थरार्ते हैं। भारत के मिराज-2000 और एसयू-30 जैसे जेट विमान ऑल-वेदर मल्टीरोल विमान हैं, जो किसी भी मौसम में और कैसी भी परिस्थितियों में उड़ान भर सकते हैं। मिराज-2000, मिग-29, सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस के अलावा सुखोई-30 जैसे लड़ाकू विमान करीब पौने चार घंटे तक हवा में रहने और तीन हजार किलोमीटर दूर तक मार करने में सक्षम हैं। एक बार में 4200 से 9000 किलोमीटर की दूरी तक 40-70 टन के पेलोड ले जाने में सक्षम सी-17 ग्लोबमास्टर एयरक्राफ्ट भी वायुसेना के बेड़े में शामिल हैं। चिनूक और अपाचे जैसे अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर भी वायुसेना की मजबूत ताकत बने हैं। इनके अलावा भारत के पास दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम 952 मीटर प्रति सैकेंड की रफ्तार वाली ब्रह्मोस मिसाइलों सहित कई अन्य घातक मिसाइलें भी हैं, जिनकी मारक क्षमता से दुश्मन देश थरार्ते हैं।

भारतीय वायुसेना की जाबांजी के अनेक किस्से दुनियाभर में विख्यात हैं। हमारी वायुसेना चीन के साथ एक तथा पाकिस्तान के साथ चार युद्धों में अपना पराक्रम दिखा चुकी है। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 8 अक्तूबर 1932 को हुई थी और तब इसका नाम था ह्यरॉयल इंडियन एयरफोर्सह्ल। 1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में रॉयल इंडियन एयरफोर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय वायुसेना पर आर्मी का ही नियंत्रण होता था। इसे एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिलाया था इंडियन एयरफोर्स के पहले कमांडर-इन-चीफ सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट ने, जो हमारी वायुसेना के पहले चीफ एयर मार्शल बने थे। ह्यरॉयल इंडियन एयरफोर्सह्ल की स्थापना के समय इसमें केवल चार एयरक्राफ्ट थे और इन्हें संभालने के लिए कुल 6 अधिकारी और 19 जवान थे। आज वायुसेना में डेढ़ लाख से भी अधिक जवान और हजारों एयरक्राफ्ट्स हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात वायुसेना को अलग पहचान मिली और 1950 में ह्यरॉयल इंडियन एयरफोर्सह्ल का नाम बदलकर ह्यइंडियन एयरफोर्सह्ल कर दिया गया। एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी इंडियन एयरफोर्स के पहले भारतीय प्रमुख थे। उनसे पहले तीन ब्रिटिश ही वायुसेना प्रमुख रहे। इंडियन एयरफोर्स का पहला विमान ब्रिटिश कम्पनी ह्यवेस्टलैंडह्ल द्वारा निर्मित ह्यवापिती-2एह्ल था। बहरहाल, भारतीय वायुसेना ने समय के साथ बहुत तेजी से बदलाव किए हैं और काफी हद तक कमियों को दूर भी किया गया है।

(लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

क्रिप्टो करंसी : वैधानिक नियंत्रण और संतुलन

संजीव ठाकुर

आज का युग तकनीकी तथा नवाचार का युग है। तकनीकी परिवर्तन ने क्रिप्टो करंसी के रूप में एक नया अध्याय विकासशील देशों के सामने खोल कर रख दिया है। भारत जैसे विकासशील देश में बड़ी संख्या में नागरिकों को इंटरनेट और मोबाइल के संपूर्ण ज्ञान की ही समझ-परख नहीं है, ऐसे में क्रिप्टो करंसी का मायाजाल अबूझ पहेली बन कर सामने आया है।

क्रिप्टो करंसी के सिक्के के दो पहलू हैं। एक पहलू में बहुत सारे लाभ हैं, और दूसरे में आर्थिक संदर्भ में चुनौतियां या सुरक्षा अंतर्निहित हैं। क्रिप्टो करंसी डिजिटल मुद्रा है, जिसे न तो देखा जा सकता है, न ही मुद्रा की भांति जेब या पर्स में रखा जा सकता है, क्योंकि इसकी हार्ड कॉपी या मुद्रित रूप उपलब्ध ही नहीं है। भौतिक रूप से उपलब्ध न होने के कारण इसे आभासी मुद्रा कहा जाता है। यह स्वतंत्र किस्म की मुद्रा है। इसका संचालन-नियमन किसी संस्था या सरकार द्वारा नहीं किया जा सकता। इसे विकेंद्रीकृत मुद्रा भी कहा जाता है। यह ऐसी मुद्रा है जिसे कंप्यूटर एल्गोरिथ्म के आधार पर बनाया जाता है। कंप्यूटर में ही देखा, गिना और भुगतान किया जा सकता है।

विश्व में सबसे पहली क्रिप्टो करंसी 2009 में जापान के नाकमोतो द्वारा बनाई गई थी। वर्तमान में बाजार में 1500 से भी ज्यादा क्रिप्टो करंसी उपलब्ध हैं। क्रिप्टो करंसी काफी लोकप्रिय होती जा रही है। लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि यह गोपनीयता बनाए रखने में सहायक होती है, लेन-देन में छद्म नाम एवं पहचान बनाई जाती है। ऐसे में निजता तो लेकर अत्यधिक संवेदनशील व्यक्तियों को यह व्यवस्था उपयुक्त लगती है। इसके लेन-देन में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी आर्थिक बोझ कम पड़ता है जिसके लेन-देन में थर्ड पार्टी के सर्टिफिकेशन की आवश्यकता नहीं होती। लेन-देन में समय तथा धन की बहुत ज्यादा बचत होती है। सामान्य बैंक खातों की तरह इसमें किसी प्रकार के कागजात की आवश्यकता भी नहीं होती। बैंकिंग प्रणाली तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले लेन-देन पर सरकार का कड़ा नियंत्रण होता है, जबकि यह राष्ट्रीय बैंकिंग सिस्टम के प्रत्यक्ष नियंत्रण के बाहर होने कारण लेन-देन के आदान-प्रदान का विश्वसनीय एवं सुरक्षित माध्यम बन कर उभरी है। सरकार के पास बैंक खाते को जब्त करने का अधिकार होता है जबकि क्रिप्टो करंसी के मामले में वह ऐसा नहीं कर सकती। नोटबंदी एवं मुद्रा के अवमूल्यन का भी इस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

क्रिप्टो करंसी सीमाओं से परे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत ही कम लागत पर एक देश से दूसरे देश को पैसा भेजने के लिए सुगम साधन बन चुकी है। 2009 में बिटकॉइन क्रिप्टो करंसी की शुरू आत हुई थी। वर्तमान में एक बिलियन बिटकॉइन इंटरनेट के नेटवर्क में समाहित हैं तथा नये बिटकॉइन का लगातार आगमन हो रहा है। प्रत्येक बिटकॉइन का मूल्य 500 रुपये है, जो दुनिया की सबसे महंगी करंसी मानी जाती है। कुछ लोग इसे गोल्डरश के नाम से भी पुकारते हैं। 2014 से माइक्रोसॉफ्ट ने अपनी सेवाओं के लिए बिटकॉइन के रूप में भुगतान लेना शुरू कर दिया। निकोसिया विश्वविद्यालय भी विद्यार्थियों के प्रवेश शुल्क के रूप में बिटकॉइन करंसी स्वीकार करता है। 2018 प्रशांत महासागर में स्थित मार्शल द्वीप क्रिप्टो करंसी के लीगल टेंडर को मान्यता देने वाला पहला देश है। वेनेजुएला ने भी क्रिप्टो करंसी की तर्ज पर पेट्रो नामक करंसी प्रारंभ की है ऐसा करने वाला विश्व का वह पहला संप्रभुता वाला देश है।

कई देशों में इसे आर्थिक संकट से उबारने वाले उपाय की तरह देखा जा रहा है। कई देश इसकी पारदर्शिता तथा विधि स्वीकार्यता को सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत हैं। कई देशों ने इस पर प्रतिबंध लगा रखा है, इसे मान्यता प्रदान नहीं की है। भारत ने भी अभी इसे मान्यता प्रदान नहीं की है। भारतीय संदर्भ में आभासी मुद्रा में उच्च स्तर की अनिश्चितता के कारण सरकार का ङ्खष्टिकोण प्रतिबंधात्मक रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 1913 में पहली बार इस संदर्भ में चेतावनी जारी की थी। 2017 में रिजर्व बैंक ने जनता को आगाह कर क्रिप्टो करंसी से सावधान रहने को कहा। रिजर्व बैंक ने किसी प्रकार की क्रिप्टो करंसी को मान्यता प्राधिकार या लाइसेंस नहीं दिया है। क्रिप्टो

करंसी पर प्रतिबंध एवं आधिकारिक डिजिटल मुद्रा विधेयक, 2019 के ड्राफ्ट में प्रस्ताव दिया गया है कि देश में क्रिप्टो करंसी की खरीद-बिक्री करने वालों को 10 वर्ष की जेल की सजा होगी। क्रिप्टो करंसी काले धन को छुपाने का बड़ा जरिया भी हो सकती है। इस करंसी की सबसे बड़ी हानि यह है कि इसका कोई भौतिक अस्तित्व नहीं है, इसका मुद्रण नहीं किया जा सकता। इस कारण इसका प्रयोग अवैध कार्यों के लिए जैसे अवैध हथियार खरीदी, मादक पदार्थों के व्यापार, आतंकवादी गतिविधियों में मनी लॉन्ड्रिंग आदी में किए जाने की आशंका बढ़ जाती है। अतः इस पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

घर की सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से कुछ इस तरह करें डेकोरेट हरा-भरा लगेगा घर

आज के समय में हर व्यक्ति अपने घर में प्लांट्स को जगह देने लगा है। भले ही उसका घर स्पेशियस हो या फिर छोटा, यह प्लांट्स किसी भी घर को बेहद खूबसूरत बनाते हैं। इतना ही नहीं, अमूमन लोग अपनी सुविधा व स्पेस को देखते हुए हैंगिंग गार्डनिंग से लेकर बालकनी व टेरेस में भी गार्डनिंग करना काफी पसंद करते हैं। लेकिन घर का एक एरिया ऐसा भी है, जहां पर अगर प्लांट्स लगाए जाएं तो पूरे घर का मेकओवर हो सकता है और फिर इसके बाद आपको अलग से किसी अन्य एरिया में प्लांट्स लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

यह एरिया है आपकी सीढ़ियां। घर की सीढ़ियों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन वास्तव में यही सीढ़ियां आपके पूरे घर का लुक बदल सकती हैं। अगर आप इन्हें एक नेचुरल व ब्यूटीफुल टच देना चाहती हैं तो वहां पर गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। आप सीढ़ियों पर उन प्लांट्स को लगाएं, जिन्हें सीधी धूप या बहुत अधिक रख-रखाव की आवश्यकता ना हो। तो चलिए आज इस लेख में हम जानते हैं कि आप अपने घर में सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से किस तरह और भी अधिक खूबसूरत बना सकती हैं–

वर्टिकल गार्डनिंग

जब सीढ़ियों पर प्लांटिंग करने की बात हो तो ऐसे में वर्टिकल गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। यह वास्तव में काफी कम स्पेस लेता है, लेकिन इस तरह आप अपनी सीढ़ियों के एरिया को पूरी तरह से ट्रांसफॉर्म कर सकती हैं। आप कोशिश करें कि सीढ़ियों की एक साइड की दीवार पर आप वर्टिकल गार्डनिंग के लिए स्टैंड को हैंग करें और उसमें बेहद ही खूबसूरत स्मॉल साइज के पौधे लगाएं। यह देखने में बेहद ही ब्यूटीफुल लगेगा।

यूं दें एलीगेंट लुक

अगर आप अपनी सीढ़ियों को एक बेहद ही एलीगेंट तरीके से सजाना चाहती हैं तो आप पॉटेड प्लांट्स को सीढ़ियों पर रखें। खासतौर से, अगर आपकी सीढ़िया वुडन की हैं तो आप कॉन्ट्रास्टिंग कलर के एक बिग साइज पॉट को सीढ़ी पर रख सकती हैं। हालांकि, अगर आप ऐसे अपनी सीढ़ियों को सजा रही हैं तो अन्य पॉट्स को घर के किसी दूसरे कोने में प्लेस करें।

स्नेकप्लांट्स लगेंगे बेहद खूबसूरत

यह भी एक तरीका है सीढ़ियों को सजाने का। इसके लिए आप कई पॉट्स में केवल स्नेकप्लांट्स ही लगाएं। अब आप इन पॉट्स को अपनी हर सीढ़ी के उपर रखती जाएं। यह ना केवल देखने में अच्छे लगते हैं, बल्कि आपके घर की हवा को भी नेचुरली प्यूरिफाई करने में मदद करते हैं। इसके बाद आपको अलग से एयर प्यूरिफायर खरीदने की जरूरत महसूस नहीं होगी।

रेलिंग पर करें फोकस

जब आप सीढ़ियों पर गार्डनिंग कर रही हैं तो सिर्फ उसकी साइड की दीवार या स्टेप्स के साथ ही आप क्रिएटिव नहीं हो सकतीं, बल्कि रेलिंग का लुक भी बदल सकती हैं। आप मनी प्लांट्स से लेकर अन्य कई प्लांट्स को रेलिंग पर लगा सकती हैं। हालांकि, आप रेलिंग के लिए ऐसे प्लांट्स को चुनें, जिनकी लताएं नीचे की ओर बढ़ती जाएं, ताकि यह आपकी पूरी रेलिंग को कवर कर सकें और देखने में भी खूबसूरत लगे।

सीढ़ियों के नीचे का स्पेस

अगर आपकी सीढ़िया घर में कुछ इस तरह बनी हुई हैं कि उनके नीचे आपके पास काफी सारा स्पेस बचता है, तो वहां पर भी प्लांटिंग करना अच्छा आईडिया है। अगर आप चाहें तो इस एरिया में एक मिनी गार्डन तैयार कर सकती हैं। आप यहां पर तरह-तरह के खूबसूरत प्लांट्स रख सकती हैं। साथ ही कुछ पेबल्स व लाइटिंग के जरिए इस लुक को और भी खास बनाएं। यकीन मानिए, इस एरिया में जब आप कुछ फुरसत के पल बिताएंगी, तो आपको बेहद ही अच्छा लगेगा।

...अगर आपका बच्चा भी करता है बिस्तर गीला

कई बार बच्चे 1 साल से बड़े होने के बाद भी बिस्तर पर ही पेशाब कर देते है। अक्स पेरेंट्स बच्चे की इस आदत को लेकर परेशान रहते है लेकिन बच्चे का बार-बार ऐसा करना किसी परेशानी के कारण भी हो सकता है। कई बार तो बच्चे रात में डर के कारण बिस्तर गीला कर देते है लेकिन इसके अलावा बच्चे यूरिन इंफेक्शन, तनाव, पुरानी कब्ज या असंतुलित हार्मोन के कारण ऐसा करते है।

अगर आपका बच्चा भी ऐसा कर रहा है तो इससे आपको परेशान होने की जरुरत नहीं। इस समस्या को आप कुछ असरदार घरेलू नुस्खे से दूर कर सकते हैं। आइए जानते है किन उपायों द्वारा बच्चे की इस परेशानी को दूर किया जा सकता है।

बच्चों को बार-बार यूरिन आने के कारण

- ब्लैडर में इंफेक्शन
- ब्लड शुगर के कारण
- प्रॉस्टेट ग्रंथि में यूरिन का बढ़ना
- ज्यादा कॉफी या चाय का सेवन
- पेट में कीड़े की समस्या
- मूत्राशय में पेशाब जमा करने की क्षमता कम होना

इसके घरेलू उपचार

अखरोट

2 अखरोट और 20 किशमिश को पीसकर चूर्ण बना लें। 3 हफ्ते तक बच्चे को इसका सेवन कराने से यह समस्या दूर हो जाएगी।

पिस्ता

5 काली मिर्च, 3 पिस्ता और मिनका पीस लें। दिन में दो बार बच्चे को यह चूर्ण खिलाने से उसकी यह परेशानी दूर हो जाएगी।

काले तिल

50 ग्राम काले तिल, 25 ग्राम अजवाइन और 100 ग्राम गुड़ को मिलाकर 8-8 ग्राम के लड्डू बना लें। बच्चे को रोजाना सुबह-शाम 1 लड्डू खिलाने से उसकी पेशाब की बीमारी ठीक हो जाएगी।

शहद का सेवन

रोजाना रात को सोने से पहले बच्चे को नियमित रूप से शहद चटा दें। कुख हफ्तों में ही बच्चे को बार-बार यूरिन आने की परेशानी से छुटकारा मिल जाएगा।

अजवाइन

1 चम्मच अजवाइन में नमक मिलाकर बच्चें को गर्म पानी से सात खिला दें। दिन में 2 बार इसका सेवन बार-बार यूरिन आने की समस्या से निजात दिलाता है।

जुड़वां बच्चे होने पर दिखते हैं ये लक्षण!

प्रेग्नेंसी हर महिला की जिंदगी का सबसे अहम पल होता हैं। जब किसी औरत को मां बनने की खुशी मिलती है तो उसके साथ पूरा परिवार खुश हो उठता है। हर औरत के मन में सबसे पहला सवाल उठता है कि उसका होने वाला बच्चा कैसा होगा, वहीं अगर गर्भ में जुड़वां बच्चों के पलने की खबर मिल जाए तो खुशी दोगुणा बढ़ जाती है। जुड़वा बच्चों के होने पर गर्भवती महिला के शरीर में कुछ लक्षण दिखाई देते है, जिनके बारे में अक्सर महिलाओं को नहीं पता होता। आज हम आपको उन्ही लक्षणों के बारे में बताने जा रहे है, जिनसे पता जलता है कि गर्भ में जुड़वा बच्चे पल रहे है।

मॉर्निंग सिकनेस

गर्भवती महिला को मॉर्निंग सिक्नेस रहना भी एक संकेत हो सकता है। 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को गर्भावस्था के प्रारंभिक चरण में ही मतली और जी मिचलाना महसूस हो सकती है। जिन गर्भवती महिलाओं को जुड़वा बेबी होने वाले होते है उन्होंने बाकी गर्भवती महिलाओं की तुलना में अधिक मार्निंग सिक्नेस रहती है।

ब्लीडिंग और स्पॉटिंग

जिस महिला को जुड़वा होने वाली होती है, उन्हें स्पॉटिंग और ब्लीडिंग अधिक होती है। यदि ब्लीडिंग के साथ बुखार और लाल खून के धब्बे पड़ रहे है तो इसमें डरने की कोई बात नहीं है क्योंकि यह जुड़वा बच्चों की निशानी हो सकती है।

वजन बढ़ना

अगर वजन सामान्य गर्भावस्था की तुलना से अधिक है तो भी जुड़वां बच्चे होने का संकेत हो सकता है। एक औसत गर्भावस्था में सामान्य वजन 25 पाउंड होता है, जबकि जुड़वां गर्भावस्था में वजन 30 से 35 पुंड के बीच होता है।

अधिक भूख लगना

जुड़वां बेबी होने पर गर्भवती महिला को अधिक भूख लगती है। इसलिए जब आपको साथ भी ऐसा हो तो एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें क्योंकि यह कोई और बात भी हो सकती है।

पेट में दर्द होना

जुड़वां गर्भवती महिला के सामान्य से ज्यादा पेट में दर्द रहने लगता है यह दर्द शरीर को अधिक वजन होने के कारण भी हो सकता है। इसलिए इस बात के बारे में एक बार डॉक्टर से जरूर बात करें।

बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डालें

बच्चे और हैल्दी फूड तो मानों एक दूसरे से मेल ही नहीं खाते लेकिन बच्चों के विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। इससे न सिर्फ शारीरिक विकास होता है बल्कि भविष्य के लिए भी खाने की अच्छी आदतें फायदेमंद साबित होती हैं। जंक फूड, पिज्जा, बर्गर, चिप्स आदि बच्चे बहुत चाव से खाते हैं लेकिन खाने में ये टेस्टी तो होते हैं लेकिन सेहत को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं। जो आने वाले समय में मोटापा, डायबिटिज, हाई बीपी, स्ट्रोक, दिल की बीमारियां आदि होने का कारण बनते हैं। शुरू से ही अगर बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डाल दी जाए तो उसके लिए बहुत अच्छा होगा।

बताएं हैल्दी चीजों का महत्व

बच्चे में अनुशासन, पढ़ाई के साथ-साथ खाने की अच्छी आदतों का होना भी बहुत जरूरी है। उन्हें बताएं कि घर का बना खाना खाना आपके लिए कितना अच्छा है। बाहर का खाना न तो हैल्दी होता है और न ही साफ-सुथरा। कभी-कभी बच्चों को उनकी पसंद का खाना घर पर ही बना कर खिलाएं।

एक जगह बिठा कर करवाएं भोजन

ज्यादातर बच्चों को खाना खाते समय घूमने की आदत होती है जो एक गलत आदत है। बच्चे को रोजाना एक ही जगह पर बिठा कर खाना खिलाएं और बार-बार की बजाए एक ही बार में खाना खाने को कहें लेकिन जबरदस्ती न करें।

टेस्ट में करें बदलाव

एक ही तरह का खाना खाकर बच्चे बोर हो जाते हैं, खाना का टेस्ट बरकरार रखने के लिए उनके डाइट प्लान में कभी स्नैक्स, जूस, सूप, फ्रूट सलाद आदि के साथ खाने में ट्विस्ट लाएं।

कामकाजी महिला हैं तो इस तरह रहें बच्चे के करीब

औरतों को घर और ऑफिस के काम एक साथ संभालने का हुनर बहुत अच्छी तरह से आता है। कई बार समय की कमी के कारण वह अपने बच्चों को उतना समय नहीं दे पाती, जितना कि उसके बच्चों को मां के साथ की जरूरत होती है।

बच्चों के साथ समय बिताकर आप उनके दिल की बातों को अच्छी तरह से जान सकते हैं लेकिन आप भी काम के तनाव की वजह से परेशान हैं और बच्चों के कटी-कटी रहती हैं तो कुछ स्मार्ट टिप्स आपके काम आ सकते हैं जो बच्चे के साथ आपके रिश्तों के पहले से भी ज्यादा मजबूत बना देंगे।

बच्चों से करें दिनभर की बातें

रात को आपके पास परिवार के साथ समय बिताने के सबसे अच्छा बहाना होता है। डिनर के समय पति और बच्चों के साथ ही खाना खाएं। दिन भर की बातें परिवार के साथ शेयर करें और उनकी बातें सुनें। इससे बच्चों का आपके साथ प्यार बढ़ेगा और वह आपसे बातें करने के लिए बेताब रहेगा।

काम में लें बच्चों की मदद

बच्चे तब बहुत खुश होते हैं जब आप उनसे किसी बात के लिए मदद मांगते हैं। कभी-कभी प्यार से बच्चे को आपकी मदद करने के लिए कहें जैसे खाना बनकर तैयार है तो उसे डाइनिंग टेबल सजाने के लिए कह सकते हैं। उसकी पसंद की डिश बना रही हैं तो उससे परोसने के लिए मदद ली जा सकती है।

मस्ती भी जरूरी

बच्चों के करीब आने के लिए उनके साथ कभी-कभी खुद भी बच्चे बनना पड़ता है। आप परिवार के साथ कुछ ऐसे गेम्स खेल सकते हैं जिसे बच्चे पूरी तरह से एंज्वाय भी करें और उन्हें कुछ सीखने के लिए भी मिले। जैसे हॉट सीट, पर्ची पर सारे सदस्यों का नाम लिखें, जिसके नाम की पर्ची निकले वह हॉट सीट पर बैठे और बाकी के सदस्य उससे सवाल पूछें। जो सबसे ज्यादा सही जवाब दे उसे शॉपिंग या पिंकनिक का गिफ्ट दिया जा सकता है।

बच्चों के मां-बाप नहीं दोस्त बनें

हर मां- बाप चाहते हैं कि उनकी बेटियां पढ़ लिखकर जिंदगी में कामयाब बने। बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए पेरेंट्स उन्हें घर से बाहर दूसरे शहरों में भी पढ़ने के लिए भेजते हैं लेकिन दिन-प्रतिदिन लड़कियों के खिलाफ बढ़ते अपराध को देखकर कुछ मां- बाप अच्छी नौकरी या पढ़ाई के लिए उन्हें बाहर भेजने से डरने लगे हैं। उन्हें हर पल यही फिक्र सताती है कि उनकी बच्ची सही सलामत है या नहीं। अगर आपके घर में लड़किया हैं और वह पढ़ाई करने, नौकरी करने या किसी अन्य काम से रोजाना घर से बाहर जाती हैं या घर से दूर कहीं बाहर रहती हैं। तो माता- पिता होने के नाते आपको कुछ सावधानियां बरतने की खास जरूरत है ताकि वह हर छोटी से छोटी बात भी आपसे शेयर कर सके। तो आइए जानते हैं उन बातों के बारे में जो आपकी बच्ची को घर के बाहर भी सुरक्षित रख सकती हैं।

मोबाइल भी जरूरी

कुछ मां- बाप की सोच है कि मोबाइल फोन से बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। वह पढ़ना-लिखना छोड़ देंगे और पूरा दिन सिर्फ मोबाइल फोन पर ही लगे रहेंगे लेकिन बेटियों के पास मोबाइल फोन होना जरूरी है। वह कहीं बाहर गई हो और घर वापसी में लेट हो जाए तो आपको फोन करके बता सकती हैं। इसके अलावा अगर कभी कोई मुसीबत आती है तब भी वह आपको फोन कर सकती हैं। बच्चों का दोस्त बनना बहुत जरूरी है अगर आप उनके साथ दोस्तों जैसा व्यवहार करेंगे तो वह खुल कर आप से हर बात शेयर कर पाएंगे। जब आपको उसके बारे में हर बात पता होगी तो आप अपनी बच्ची को परेशानियों से बचा सकते हैं।

थोड़ी दूरी भी बनाएं

बच्चों को स्पेस देना भी जरूरी है हर वक्त उनके पीछे परछाई की तरह लगने रहने से वह परेशान हो जाएगी। इससे आपका बच्चा धीरे-धीरे आप से दूर होता चला जाएगा और कभी आप पर भी भरोसा नहीं करेगा। खुद का भरोसा बच्चे पर बनाने के लिए कुछ समय उसे अकेले भी समय बिताने का मौका दें ताकि उन्हें पता चल सके कि क्या सही है और क्या गलत।

दोस्तों की जानकारी

आपको उनके दोस्तों के बारे में पता होना जरूरी है वह पूरा दिन कौन से दोस्तों के साथ रहती है इस बात की पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात को सुनिश्चित करें की उसकी संगत अच्छी हो। अपने बच्चे ही नहीं बल्कि उनके दोस्तों से भी दोस्ती बनाएं।

आत्मरक्षा के तरीके

बेटियों को आत्मरक्षा करने के लिए तरीके बताएं। आजकल तो बहुत से स्कूलों और कॉलजों में बच्चों को कराटे और बहुत-से ऐसे टिप्स बताए जाते है जिनसे वह अकेली होने पर अपनी रक्षा कर सके। लड़कियों को कभी भी कमजोर या अकेला महसूस न होने दें।

अपनी राय न थोपें

बच्चों को अच्छी बुरी के बातों के बीच फर्क बताना जरूरी है लेकिन उन पर अपनी राय थोपना गलत है। जब आप उनकी हर बात पर अपनी राय थोपेंगे तो वह बहुत-सी बातों को आप छीपाएगी। जो उसके लिए बाद में परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।

श्री शाकम्बरी माता की निशान पद यात्रा में गूंजे जयकारे

लोकतेज, सूरत। शारदीय नवरात्र पर्व के अवसर पर रविवार को श्री शाकम्बरी माता सेवा समिति द्वारा 15 वीं निशान पद यात्रा का आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष जीतू चिरानिया ने बताया कि निशान पद यात्रा श्याम विला वेसू से प्रस्थान कर बैंड बाजा, जिवंत झाँखी, बजन और जयकारे के साथ भटार रोड होते हुए माँ वैष्णो शक्तिधाम पहुंची। यात्रा के दौरान जगह जगह पर भक्तों द्वारा माताजी की आरती एवं यात्रा का फूलों से स्वागत और भक्तो जलपान कराया गया। सूरत के डीसीपी विजय सिंह गुर्जर (आईपीएस) ने भी सभी भक्तों के साथ निशान यात्रा में शामिल हुए और माताजी को निशान अर्पण किया। यात्रा में करीबन 201 निशान भक्तों द्वारा माता जी को निशान अर्पण किये। माता जी सभी की मनोकामना पूर्ण करे। यात्रा समापन के बाद भक्तों के लिए अल्पहार की व्यवस्था की गई थी।

अग्रवाल समाज की युवा इकाई ने मनाया नवरात्रि का त्योहार

हरे कृष्णा विलेज में आयोजित पिकनिक में हुआ जमकर उत्सव

लोकतेज, संवाददाता,सूरत। नवरात्रि के पावन पर्व पर अग्रवाल समाज ट्रस्ट घोड़ दौड़ रोड की युवा इकाई ने एक यादगार पिकनिक का आयोजन किया। हरे कृष्णा विलेज रेस्टोरेंट में आयोजित इस पिकनिक में समाज के युवा सदस्यों ने अपने परिवारों के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पिकनिक में मैजिक शो, कठपुतली शो, फोक डांस और गरबा जैसे मनोरंजक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्गों तक सभी ने इन कार्यक्रमों का खूब आनंद लिया। दिन के अंत में एक साथ मिलकर भोजन का आयोजन किया गया, जिसने इस पिकनिक में चार चांद लगा दिए। इस पिकनिक को सफल बनाने में युवा इकाई के उपाध्यक्ष प्रिंस सिहोटिया का विशेष योगदान रहा। उनके अलावा आयुष अग्रवाल, निखिल गर्ग, रौनक मोदी, अंकुर चांगोइवाला आदि भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। यह पिकनिक समाज के युवाओं के लिए एक साथ आने और एक-दूसरे के साथ समय बिताने का एक शानदार अवसर थी। इस तरह के कार्यक्रमों से समाज में आपसी भाईचारा और एकता बढ़ती है।

पूर्वा मंत्री ने अंकलेश्वर नवरात्रि में धूम मचाई : संगीत और संस्कृति का एक शानदार उत्सव

नवरात्रि के वाइब्रन्ट उत्सव में पूर्वा के धमाकेदार प्रदर्शन ने लोगों को मंत्रमुग्ध किया, प्रशंसकों में भारी उत्साह और जोश भरा

लोकतेज, सूरत। अंतर्राष्ट्रीय पॉप कलाकार और गायिका-गीतकार, पूर्वा मंत्री, गार्डन सिटी अंकलेश्वर नवरात्रि उत्सव में मंच पर धूम मचा रही हैं। उनके धमाकेदार और ऊर्जावान प्रदर्शन ने लोगों के मनपसंद त्योहार में नया जोश और उत्साह भर दिया है। अमेरिका में अपने सफल पुर्वास्टिक टूर के बाद, पूर्वा यहाँ एक धमाकेदार नवरात्रि उत्सव के साथ आई है, जो हजारों लोगों को आकर्षित कर रहा है। उन्होंने परंपरा और आधुनिकता को एक साथ लेकर इस उत्सव को और भी यादगार बना दिया है।

पूर्वा के जोरदार प्रदर्शन ने उत्सव को एक विशाल सांस्कृतिक कार्यक्रम में बदल दिया है, जिससे उनके और दर्शकों के बीच मधुर संबंध बने है, जिससे रात-रात भर यहां कार्यक्रम स्थल पर लोगों की भारी भीड उमड़ती रहती है। लोकप्रिय लोकगीतों की उनकी प्रस्तुतियों में, उनकी विशिष्ट शैली के साथ, लोग डान्स करते हैं और अनोखे उत्साह के साथ नवरात्री त्यौहार मनाते हैं।

पूर्वा कहती हैं, अंकलेश्वर में हर रात एक खूबसूरत सपने की तरह लगती है! यहां लोगों की ऊर्जा और उत्साह बेजोड़ है। मैं संस्कृति के इस जीवंत उत्सव में अपना संगीत लाने के लिए बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूँ। साथ मिलकर, हम ऐसे पल बीता रहे हैं, जो जीवनभर याद रहेंगे!

77वें समागम की सेवाओं का विधिवत शुभारंभ

सेवा को भेदभाव की दृष्टि से न देखकर निष्काम भाव से करे : सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

लोकतेज, सूरत। इस संसार में अनेक प्रकार के लोग रहते हैं जिनकी अलग-अलग भाषा, वेश-भूषा, खान-पान, जाति, धर्म और संस्कृति आदि हैं। पर इतनी विभिन्नताओं के रहते भी, हम सब में एक बात सामान्य है कि हम सब इंसान हैं। कैसा भी हमारा रंग हो, वेश हो, देश हो या खान-पान, सबकी रगों में एक सा रक्त बहता है और सब एक जैसी सांस लेते हैं। हम सब परमात्मा की संतान हैं। इसी भाव को अनेक संतों ने अलग- अलग समय और स्थानों पर अपनी भाषा और शैली में 'समस्त संसार, एक परिवार' के सन्देश के रूप में व्यक्त किया। पिछले लगभग 95 वर्षों से संत निरंकारी मिशन भी इसी सन्देश को न केवल प्रेषित कर रहा है, बल्कि अनेक सत्संग और समागम का नियमित रूप से आयोजित कर, इस सन्देश का जीवंत उदाहरण भी पेश कर रहा है। मिशन के लाखों भक्त इस वर्ष भी 16, 17 और 18 नवंबर 2024 को संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा, हरियाणा में होने वाले 77वें वार्षिक निरंकारी संत समागम में पहुँचकर मानवता के महाकुम्भ का एक बार फिर से नज़ारा सजाने जा रहे हैं। देश-विदेश से आने वाले ये भक्त जहाँ सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और सत्कारयोग निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन दर्शन करके स्वयं को कृतार्थ अनुभव करेंगे, वहीं मिलजुलकर संत-समागम की शिक्षाओं से अपने मन को उज्जवल बनाने का प्रयास भी करेंगे।

इस संत समागम की भूमि को समागम के लिए तैयार करने की सेवा का शुभारम्भ आज इस बार 6 अक्टूबरको हर वर्ष की भांति सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और निरंकारी राजपिता जी के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर मिशन की कार्यकारिणी के सभी सदस्य, केंद्रीय सेवादल के अधिकारी और सत्संग के अन्य हज़ारों अनुयायी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि 600 एकड़ में फैले इस विशाल समागम स्थल पर लाखों संतों के रहने, खाने-पीने, स्वास्थ्य और आने-जाने के साथ-साथ अन्य कई प्रकार की व्यवस्थाएं की जाती है, जिसके लिए पूरा महीना अनेक स्थानों से आकर भक्त निष्काम भाव से सेवारत्त रहते हैं। इस पावन संत समागम में हर वर्ग के संत एवं सेवादार महात्मा अपने प्रियजनों संग सम्मिलित होकर एकत्व के इस दिव्य रूप का आनंद प्राप्त करेंगे। इस वर्ष के समागम का विषय है -विस्तार, असीम की ओर।

समथिंग्स ब्रूइंग ने सूरत में नया कॉफी एक्सपीरियंस सेंटर लॉन्च किया

लोकतेज, सूरत। समथिंग्स ब्रूइंग, ने सूरत में अपने नए कॉफी एक्सपीरियंस सेंटर का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया। यह भव्य उद्घाटन 6 अक्टूबर 2024 को हुआ, जो ब्रांड की 4वीं वर्षगांठ थी और अंतर्राष्ट्रीय कॉफी दिवस के कुछ ही दिनों बाद हुआ।

यह नया 800 वर्ग फुट का स्टोर जी-6 एसएनएस अरिस्ता, हैप्पी रेजिडेंसी के सामने, उधना मगडल्ला रोड, वेसु, सूरत-395007 पर स्थित है। यह स्टोर सभी प्रकार के कॉफी प्रेमियों के लिए एक बेहतरीन जगह है, चाहे वे होम ब्रीवर हों, ऑफिस कॉफी सॉल्यूशन की तलाश में हों, बारिस्ता हों या कैफे के मालिक हों। नए स्टोर की दीवारें और शेल्फ्स 50 से अधिक विश्व प्रसिद्ध कॉफी गियर ब्रांड्स से सजी हैं। इसमें फ़ेलो, एयरोप्रेस, ला मार्ज़ोको, रैंसिलियो, एंफिम, 1जेडप्रेसो, बारात्ज़ा और केमेक्स जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स शामिल हैं। साथ ही डेलॉन्घी, यूरेका और नेस्प्रेसो जैसे पसंदीदा ब्रांड्स भी उपलब्ध हैं। चाहे वह टाइम्मोर ग्राइंडर हो

या वाकाको के पोर्टेबल ब्रूअर्स, यहां कॉफी प्रेमियों को सब कुछ मिलेगा। रैंसिलियो और ला मार्ज़ोको जैसे विश्वसनीय ब्रांड्स प्रोफेशनल-ग्रेड का कॉफी एक्सपीरियंस प्रदान करते हैं, जबकि एंफिम और माल्कोनिग जैसी कंपनियां उन लोगों के लिए उत्कृष्ट हैं जो परफेक्ट ग्राइंड की तलाश में हैं। समथिंग्स ब्रूइंग के फाउंडर और एमडी अभिनव माथुर ने उद्घाटन के मौक़े पर कहा, 卐 कॉफी के प्रति सच्चे प्रेम के लिए पहचाने जाने वाले शहर सूरत में अपना स्टोर लॉन्च करना एक सपना सच होने जैसा है। हमारा विज़न एक ऐसी जगह बनाने का था जहां स्थानीय कॉफी कम्युनिटी आगे बढ़ सके, अपनी ब्रूइंग कैपेसिटी को बढ़ा सके और कॉफी नॉलेज को गहरा कर सके।

समथिंग्स ब्रूइंग सूरत स्टोर पर इमर्सिव ब्रूइंग डेमोंस्ट्रेशन, विशेषज्ञों द्वारा संचालित वर्कशॉप्स और विश्व-स्तरीय कॉफी उपकरणों की क्यूरेटेड रेंज शामिल हैं। सूरत में यह लॉन्च समथिंग्स ब्रूइंग की भारत भर में होम ब्रूअर्स को प्रेरित और सशक्त बनाने के मिशन में महत्वपूर्ण कदम है। यह उनका भारत में दूसरा स्टोर है और ब्रांड के विस्तार में एक अहम कदम है। एक साधारण रिटेल स्पेस से बढ़कर, समथिंग्स ब्रूइंग ने खुद को कॉफी एजुकेशन और कम्युनिटी बिल्डिंग के केंद्र के रूप में तेजी से स्थापित किया है। जैसे ही ताजगी से बनी कॉफी की सुगंध शहर में फैलती है, सूरत की कॉफी संस्कृति एक नए और रोमांचक अध्याय में प्रवेश कर चुकी है।

खेल

हार्दिक पांड्या ने पहले टी20 में बनाए दो रिकॉर्ड, विराट कोहली को छोड़ा पीछे

ग्वालियर (एजेंसी)। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने टी20 में दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को पछाड़ दिया है। हार्दिक ने बांग्लादेश के खिलाफ ग्वालियर में पहले टी20 मैच में सबसे ज्यादा छक्के के साथ मैच समाप्त करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इसी के साथ ही वह भारत के चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं।

मैच के दौरान हार्दिक ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। पहले गेंदबाजी करते हुए उन्होंने 6.50 की इकॉनमी रेट से अपने चार ओवर में 26 रन देकर एक विकेट लिया। बाद में 128 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हार्दिक ने 16 गेंदों में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 39* रन बनाकर शानदार फिनिशिंग की। उनके रन 243.75 की स्ट्राइक रेट से आए। अपनी पारी के दौरान पांड्या ने कुछ बेहतरीन शॉट लगाए। इसमें विकेटकीपर के सिर के ऊपर से नो-लुक रैंप शॉट भी शामिल था। ऑलराउंडर ने शॉट खेलते समय अपने खास आत्मविश्वास और स्वैगर का परिचय दिया, अपनी ताकत और बल्ले पर इतना भरोसा किया कि उन्हें पता था कि गेंद किसी भी तरह बाउंड्री की ओर जा रही है।

अब हार्दिक ने भारत के लिए टी20आई मैच में कुल पांच बार छक्का लगाकर मैच समाप्त किया है, जिससे उन्होंने विराट के चार बार ऐसा करने के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। साथ ही अपने एक विकेट के साथ, पांड्या (87 विकेट) ने तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (86 विकेट) को पीछे छोड़ते हुए सबसे छोटे प्रारूप में भारत के चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज स्पिनर युजवेंद्र चहल हैं जिन्होंने 96 विकेट लिए हैं, लेकिन वह लम्बे समय से टीम से बाहर हैं।

रामलीला में राम वनवास केवट प्रसंग और कैकई संवाद की लीला का हुआ मंचन

श्री आदर्श रामलीला ट्रस्ट का आयोजन

लोकतेज, सूरत। वेसू के रामलीला मैदान में चल रही रामलीला में सोमवार को कैकई- मंथरा संवाद, दशरथ संवाद, श्रीराम वनवास, केवट संवाद का मंचन हुआ। श्री आदर्श रामलीला ट्रस्ट के महामंत्री अनिल अग्रवाल ने बताया कि रामलीला में राम विवाह की रस्म हुई अनेक भक्तों ने कन्यादान में भेट सौगात आदि देकर माता सीता को मंगल कामनाएं दी। कैकई- दशरथ संवाद व राजा दशरथ से रानी कैकई द्वारा राम को 14 वर्ष का वनवास, भरत को राजगद्दी का वचन मांगती हैं। इसको सुनकर दशरथ बहुत दुखी होते हैं। वो कैकई से कहते हैं कि तुम कुछ भी मांग लो लेकिन राम को वनवास मत मांगो। इस पर कैकई कहती है कि तुम अपने वचन से मुकर जाओ। इस पर दशरथ कहते हैं कि रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाएं पर वचन जाई। इसके साथ ही श्रीराम, सीता लक्ष्मण सहित वन में प्रस्थान कर जाते हैं। केवट भगवान श्रीराम को गंगा के उस पार छोड़ने के बदले में उनके चरण धोने की अनुमति मांगता है। रामजी के चरण धोने के बाद केवट अपना वादा निभाता है और भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण को गंगा के उस पार उतारता है। इसके आगे का भावुक प्रसंग देख दर्शकों की आंखे नम हो गई। ट्रस्ट के संजय जैन, जसवंत सरावगी, घनश्याम अग्रवाल, गणेश चंगोईवाला आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। रामलीला में मंगलवार 8 अक्टूबर 2024 को दशरथ मरण, भरत मनावन और सीता हरण का मंचन किया जाएगा।

केन्द्रिय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने अंबानगर में मोदी के सुशासन के 23 वर्ष के अवसर पर आंगणवाडी के बच्चों को सुपोषण कीट वितरीत की गई। (लोकतेज फोटो)

पीसीबी प्रमुख को भरोसा, चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आएगी टीम इंडिया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने सोमवार को भरोसा जताया कि आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी का आयोजन देश में होगा और चिर प्रतिद्वंद्वी भारत सहित सभी टीमें टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी।

चैंपियन्स ट्रॉफी 2025 के 19 फरवरी को शुरू होने का कार्यक्रम है जबकि इसका फाइनल नौ मार्च को खेला जाना है। आयोजन स्थल के रूप में लाहौर, कराची और रावलपिंडी को चुना गया है। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक रिश्तों के कारण भारत ने जुलाई 2008 के बाद से अपनी टीम को पाकिस्तान नहीं भेजा है।

नकवी ने कहा, 'भारतीय टीम को आना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि वे यहां आना रद्द या स्थगित करेंगे और हमें पूरा भरोसा है कि हम चैंपियंस ट्रॉफी में सभी टीमों की मेजबानी पाकिस्तान में करेंगे।' उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान भारत सहित सभी टीमों की मेजबानी के लिए तैयार है और तैयारियां तय समय पर चल रही हैं। नकवी ने कहा, 'स्टेडियम भी तय समय पर मैचों की मेजबानी के लिए तैयार हो जाएंगे।'

हमने टीम मीटिंग में जो निर्णय लिया, वह कारगर रहा : पहले मैच जीतकर पर बोले

ग्वालियर (एजेंसी)। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले टी20 में बांग्लादेश पर टीम की 7 विकेट से शानदार जीत पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती ने भारत की जीत की नींव रखी और मेहमान टीम को 127 रन पर समेट दिया। इन दोनों ने मिलकर छह विकेट चटकाए। जवाब में विश्व चैंपियन टीम ने अपने स्तर का प्रदर्शन किया और 49 गेंद शेष रहते जीत हासिल कर ली।

हार्दिक पांड्या ने बल्ले से तूफानी प्रदर्शन किया और 16 गेंदों पर पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 39 रन बनाए। सूर्यकुमार ने भी तीन छक्कों और दो चौकों की मदद से 29 रन की पारी खेली जबकि सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने भी 19 गेंदों पर 29 रन का योगदान देकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। मैच के बाद भारतीय कप्तान ने कहा, 'हमने बस अपने कौशल का समर्थन करने की कोशिश की और हमने अपनी टीम मीटिंग में जो निर्णय लिया, वह कारगर रहा। जिस तरह से खिलाड़ियों ने नए मैदान पर खेलते हुए चरित्र दिखाया और जिस तरह से हमने बल्लेबाजी की, वह शानदार था।'

सीरीज के पहले मैच में भारत ने मयंक यादव और नितीश रेड्डी को डेब्यू कैप दी। यह कदम कारगर साबित

हुआ क्योंकि मयंक ने अपने करियर की शुरुआत मेडन से की और उसके बाद अपने दूसरे ओवर में महमुदुल्लाह का विकेट लिया। तेज गेंदबाज ने अपने चार ओवर में 1-21 के आंकड़े के साथ वापसी की। इस बीच नितीश अपने दो ओवर में विकेट नहीं निकाल पाए लेकिन एक छक्के सहित 16 रन बनाए। उनके प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए सूर्यकुमार ने कहा, 'बहुत उत्साहित हूं और अगले मैचों में उन्हें देखने के लिए उत्सुक हूं। जब आप मैदान पर होते हैं तो यह एक अच्छा सिरदर्द होता है कि किसे गेंदबाजी करनी है। हर बार जब आपके पास एक अतिरिक्त विकल्प होता है, तो यह अच्छी बात है। आप हर नए खेल में कुछ नया सीखते हैं।'

उन्होंने कहा, 'हमेशा कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की जरूरत होती है, हम अगले गेम में बैठकर इस पर बात करेंगे।' भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टी-20 मैच बुधवार को दिल्ली में खेला जाएगा जिसके बाद श्रृंखला का अंतिम मैच हैदराबाद में होगा।

इस माह के अंत तक एकदिवसीय और टी20 के लिए कप्तान की घोषणा करेगा पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के इस महीने के अंत तक सीमित ओवरों के लिए लिए कप्तान की घोषणा करेगा। इससे पहले बाबर आजम ने कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। वहीं टीम के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन भी अपने घर दक्षिण अफ्रीका लौट गये हैं। इसी को लेकर पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा कि कर्स्टन ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका में होने वाली सीरीज के लिए इसी माह के अंत में 29 अक्टूबर को टीम से जुड़ेंगे। कर्स्टन सीधे मेलबर्न पहुंचेगी। हाल में कर्स्टन ने चैम्पियंस कप में पाकिस्तान के खिलाड़ियों की स्थिति का आंकलन करने के बाद क्रिकेट की स्थिति पर चयनकर्ताओं तथा बोर्ड अधिकारियों के साथ हुई बैठकों में अपने विचार रखे थे। पाकिस्तान को नवंबर-दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका में कुल 18 मैच खेलने हैं इसमें नौ एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैच है। इसकी दौरे की शुरुआत चार नवंबर को मेलबर्न से होगी। अभी तक मिले अनुमानों के अनुसार विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी सीमित ओवर प्रारूप में कप्तानी के दावेदार हैं।

मेरे अखबार में, मेरी छवि

लोकतेज की ओर से जन्म दिन की हार्दिक शुभकामनाएं

नाम : शिवांगी
पिता : बलवंत यादव
माता : रेखा यादव
जन्मतिथि : 8-10-2016

फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स ने मेरी लाइफ बदल दी

वेब सीरीज फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स में नजर आई अभिनेत्री और ज्वेलरी डिजाइनर नीलम कोठारी इसके अपकमिंग सीजन में काम करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस शो को लेकर अभिनेत्री ने कहा कि इससे उनके बिजनेस ने तरक्की की है।

शो के बारे में बात करते हुए नीलम ने कहा, फैबुलस लाइव्स ने मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल दी है। इसने मेरे लिए कई दरवाजे खोले हैं। मेरा ज्वेलरी और इंटीरियर डिजाइन का काम इससे काफी बढ़ा है। यह मेरे लिए वाकई गेम चेंजर रहा है। मैंने मेड इन हेवन में भी एक छोटा सा कैमियो किया है। उन्होंने आगे कहा, जो लोग मेरी फिल्में देखते थे, वह अब मुझे सीरीज के जरिए स्क्रीन पर देख रहे हैं। अब मेरे उन फैंस के साथ उनके बच्चे भी मेरे फैन हो गए है। यह सब फिल?म मेकर करण जौहर की बदौलत ही मुमकिन हो पाया है। मैं इस मौका देने के लिए उनकी दिल से आभारी हूं। बता दें कि दर्शक जल्द ही वेब शो फैबुलस लाइफ वर्सेस बॉलीवुड वाइव्स सीजन 3 का लुत्फ उठा पाएंगे। अगले सीजन के बारे में बात करते हुए नीलम ने कहा, मुझे लगता है कि सीजन 3 एक अलग तरह का सीजन होने वाला है। यह इस बार आश्चर्य से भरा होगा। इसमें भरपूर एक्शन देखने को मिलेगा। इसके अलावा भी इसमें बहुत कुछ दिखाई देगा नीलम एक बार फिर अपनी सहेलियों भावना पांडे, सीमा सजदेह और महीप कपूर के साथ रिद्धिमा कपूर साहनी, शालिनी पासी और कल्याणी चावला जैसे नए चेहरों के साथ मिलकर उनकी शानदार जिंदगी की झलक लेकर आ रही है। नीलम ने बताया कि अपने पुराने दोस्तों और नए कलाकारों के साथ काम करना बेहद शानदार रहा। इस बार दर्शकों को इसमें मेरा एक अलग ही अंदाज देखने को मिलेगा। नीलम ने कहा कि मुझे लगता है कि लोग इसे इसलिए पसंद करते हैं क्योंकि इसमें दोस्तों की मंडली है और सभी वास्तविक हैं, हर किसी का व्यक्तित्व अपने आप में अलग है। मुझे लगता है कि यही कारण है कि शो ने इतना अच्छा प्रदर्शन किया।

स्पाई एक्शन थ्रिलर में रणवीर सिंह के साथ स्क्रीन साझा करेंगी सारा अर्जुन

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की सफलता के बाद रणवीर सिंह एक और सोलो प्रोजेक्ट के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करेंगे। नई फिल्म का निर्देशन आदित्य धर करेंगे। वहीं, अब इस फिल्म में मुख्य नायिका की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री के बारे में जानकारी सामने आई है। नई जानकारी के अनुसार, सारा अर्जुन इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ स्क्रीन साझा करेंगी।

सारा इससे पहले तमिल, तेलुगु और मलयालम के साथ-साथ कई हिंदी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। उन्होंने मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेलवन में नंदिनी के बचपन का किरदार भी निभाया था। हालांकि सारा के किरदार के बारे में विस्तृत जानकारी अभी तक नहीं मिली है, लेकिन वह पिछले कुछ वर्षों में अन्य फिल्मों में अपनी छोटी-मोटी भूमिकाओं की तुलना में अब इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी। हालांकि, मुख्य भूमिका निभाने के बावजूद, आगामी प्रोजेक्ट में उनकी स्क्रीन पर सीमित उपस्थिति होगी। इसके अलावा, सारा की कास्टिंग को भी कुछ आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, जिसमें लोग उनके और रणवीर के बीच उम्र के अंतर पर सवाल उठा रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार इस फिल्म का नाम धुरंधर है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से फिल्म के शीर्षक का एलान होना बाकी है। यह शीर्षकहीन फिल्म एक स्पाई एक्शन थ्रिलर होगी और आदित्य ने इसमें सहायक कलाकारों के रूप में संजय दत्त, आर. माधवन और अर्जुन रामपाल जैसे प्रतिभाशाली चेहरों को शामिल किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणवीर पाकिस्तान में एक मिशन पर तैनात एक खुफिया अधिकारी की भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म के लिए प्रोडक्शन का काम इस साल जुलाई में ही शुरू हो गया था और निर्माता इसे अगले साल की दूसरी छमाही तक बड़े पर्दे पर लाने की योजना बना रहे हैं। संजय दत्त खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, आर माधवन और अर्जुन रामपाल भारतीय खुफिया एजेंसी का प्रतिनिधित्व करते नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि इस फिल्म को बड़े बजट के साथ बड़े पैमाने पर शूट किया जाएगा। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, जिसमें धमाकेदार एक्शन सीक्वेंस और कहानी में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेंगे। जियो स्टूडियोज की ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित, लोकेश धर और आदित्य धर के साथ उनके बैनर बी62 स्टूडियोज के तहत इस फिल्म का निर्देशन आदित्य ने किया है। यह राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता आदित्य धर की दूसरी प्रमुख मोशन पिक्चर होगी, जो वर्ष 2019 में रिलीज हुई रिकॉर्ड तोड़ ब्लॉकबस्टर उरी-द सर्जिकल स्ट्राइक के बाद है।

आलिया की स्पाई यूनिवर्स फिल्म अल्फा क्रिसमस 2025 को होगी रिलीज

आलिया की स्पाई यूनिवर्स फिल्म अल्फा के निर्माताओं ने आखिरकार रिलीज की तारीख का खुलासा कर दिया है। यह फिल्म क्रिसमस पर यानी 25 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में आएगी। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री शरवरी भी नजर आएंगी। अपकमिंग स्पाई यूनिवर्स फिल्म अल्फा की रिलीज डेट की घोषणा यशराज फिल्म्स बैनर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर की। इंस्टाग्राम पर एक पोस्टर भी शेयर किया गया है, जिसमें रिलीज की तारीख बताई गई है। यशराज फिल्म्स बैनर ने पोस्ट पर कैप्शन देते हुए लिखा कि अल्फा क्रिसमस 2025 को रिलीज होगी। शिव रवैल द्वारा निर्देशित फिल्म में आलिया और शरवरी दोनों ही सुपर एजेंट की भूमिका में नजर आएंगी। सितंबर में यह बताया गया था कि दोनों अभिनेत्रियां मुंबई में अल्फा के अपने अगले चुनौतीपूर्ण शेड्यूल के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। उस समय एक सूत्र ने कहा था, अल्फा का सबसे खतरनाक, शारीरिक रूप से थका देने वाला शेड्यूल आलिया और शरवरी का इंतजार कर रहा है। सूत्र ने बताया कि शेड्यूल के लिए एक बहुत ही सुरक्षित सेट लगाया गया है। यह शूट 15 दिनों तक चलेगा। इसके लिए मुंबई में एक बहुत ही सुरक्षित सेट बनाया गया है और दोनों को इसके लिए बेहद ही खास तरह के फिटनेस की आवश्यकता होगी, ताकि दर्शक इसका भरपूर आनंद ले सके। सूत्र के अनुसार आलिया और शरवरी फिल्म में बहुत सारे एक्शन करती नजर आएंगी। सूत्र ने कहा, आलिया ने इस फिल्म के लिए महीनों की ट्रेनिंग ली है। कुछ दिनों पहले उनके ट्रेनर द्वारा अपलोड किए गए एक वीडियो में दिखाया गया था कि कैसे वह अल्फा के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। आलिया ने 2012 में करण जौहर की टीनएजर फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। इसमें उनके साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा और वरुण धवन थे। इसके बाद वह हाईवे, हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया, उड़ता पंजाब, बद्रीनाथ की दुल्हनिया, राजी, गली बॉय, गंगूबाई काठियावाड़ी, आरआरआर, ब्रह्मास्त्र- पार्ट वन - शिवा और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने अभिनेता रणबीर कपूर से 14 अप्रैल, 2022 को मुंबई में पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाज से शादी की थी। दंपति की एक बेटी है जिसका नाम राहा है।

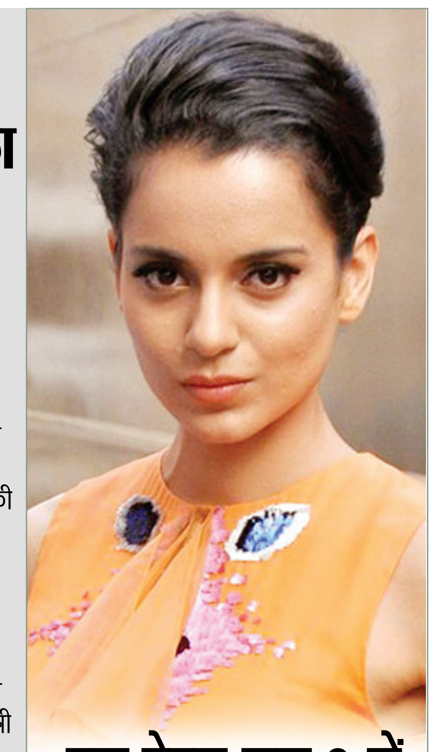

तनु वेड्स मनु 3 में तिहरी भूमिका में नजर आएंगी कंगना रनौत

कंगना रनौत कथित तौर पर तनु वेड्स मनु 3 में ट्रिपल रोल निभाने के लिए तैयार हैं। फिल्म की स्क्रिप्टिंग चल रही है और यह 2025 में फ्लोर पर आएगी। तनु वेड्स मनु रिटर्न्स में डबल रोल निभाने के बाद, कंगना रनौत इस फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म में ट्रिपल रोल निभा सकती हैं। अगर रिपोर्ट्स की मानें तो डायरेक्टर आनंद एल राय की तनु वेड्स मनु 3 में कंगना रनौत ट्रिपल रोल में होंगी। रिपोर्ट के अनुसार, कंगना को आर माधवन के साथ फिल्म के लिए ट्रिपल रोल ऑफर किया गया है। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, कंगना अपने करियर की पहली ट्रिपल भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हैं, और आनंद एल राय से पूरी कहानी का इंतज़ार कर रही हैं। यह फिल्म उन्हें एक कलाकार के रूप में नए रूप में ढलने का मौका देगी। यह आश्चर्य की बात है, खासकर तब जब कंगना रनौत ने पहले कहा था कि अगर उनका राजनीतिक करियर आगे बढ़ा तो वह बॉलीवुड करियर को अलविदा कहने पर विचार कर सकती हैं। उसी सूत्र ने फिल्म के बारे में भी बात की और कहा, यह सही मायनों में एक सीक्वल है और निर्माताओं को एक ऐसी कहानी मिली है जो खुद को एक त्रयी की ओर ले जाती है। भाग एक और दो की दुनिया के प्रति सच्चे रहते हुए, तीसरी किस्त भी रोमांस और ड्रामा के साथ हास्य का मिश्रण होगी। मूल विचार आनंद एल राय द्वारा तय किया गया है और इरादा 2025 की दूसरी छमाही में फिल्म को फ्लोर पर ले जाने का है। आनंद एल राय फिलहाल तेरे इश्क में व्यस्त हैं, जिसमें वे धनुष के साथ फिर से काम कर रहे हैं। इस बीच, कंगना अपनी आगामी फिल्म इमरजेंसी के लिए सेंसर बोर्ड सर्टिफिकेट का इंतजार कर रही हैं,

अनन्या की फिल्म कंट्रोल पर आई सामंथा की प्रतिक्रिया

अनन्या पांडे अपनी नवीनतम फिल्म कंट्रोल को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों की मिली जुली प्रतिक्रिया मिली है वहीं, अब अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने कंट्रोल का रिव्यू किया है। सामंथा ने शनिवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म के बारे में अपनी राय साझा की। उन्होंने फिल्म में अनन्या पांडे के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए इसे उत्कृष्ट बताया। सामंथा ने आगे लिखा, फिल्म शुरू से अंत तक मनोरंजक है और असाधारण रूप से अच्छी तरह से बनाया गया है।

बिग बॉस 18 में नजर आने वाली हैं नब्बे के दशक की अभिनेत्री रही शिल्पा शिरोडकर

शिल्पा शिरोडकर जल्द ही बिग बॉस 18 में शिरकत करती नजर आने वाली हैं। लंबे समय से फिल्मी चकाचौंध से दूर रहीं शिल्पा हिंदी फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। वह नब्बे के दशक की बेहतरीन अभिनेत्री रही हैं, जिन्होंने कई सफल फिल्में की हैं। वह बॉलीवुड के उन चुनिंदा कलाकारों में से हैं, जिन्होंने स्टारडम की ऊंचाईयों पर पहुंचने के बाद फिल्मी दुनिया को अलविदा कह दिया था।

अब एक बार फिर वह बिग बॉस के द्वारा अपना जलवा बिखेरने को तैयार नजर आ रही हैं। महाराष्ट्र में जन्मी शिल्पा मशहूर मराठी अभिनेत्री मीनाक्षी शिरोडकर की पौत्री हैं। शिल्पा के ईर्द-गिर्द कला और अभिनय हमेशा से मौजूद रहा। उनकी बहन नम्रता शिरोड़कर भी एक अभिनेत्री हैं। दोनों ने अपना करियर लगभग एक साथ ही शुरु किया। नम्रता मॉडलिंग में सक्रिय हो गईं और शिल्पा अभिनय की दुनिया में आ गईं। शिल्पा ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1989 की फिल्म भ्रष्टाचार से किया था। भ्रष्टाचार के बाद उन्होंने कई और फिल्मों में काम किया। उन्होंने इंडस्ट्री के कई जाने-माने हीरो के अपोजिट मुख्य भूमिकाएं की हैं। शिल्पा ने अपने अभिनय और खूबसूरती से अपनी एक अलग पहचान बनाई। उन्हें साल 1990 में आई फिल्म कृष्ण कन्हैया से काफी लोकप्रियता मिली। इसके बाद वह आंखें, खुदा गवाह, गोपी किशन, मृत्युदंड जैसी फिल्मों में भी नजर आईं। अपने शानदार करियर के दौरान उन्होंने कई सफल और बेहतरीन फिल्में कीं। बड़े पर्दे उनकी आखिरी फिल्म गजगामिनी थी, जो साल 2000 में रिलीज हुई थी। इसके बाद उन्होंने अभिनय से ब्रेक ले लिया। अब एक बार फिर वह दर्शकों के सामने अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाली हैं। वह इस बार बिग बॉस के 18वें सीजन में भाग ले रही हैं। शो के निर्माताओं द्वारा प्रोमो जारी कर उनके शो में भाग लेने पर मुहर लगा दिया गया। मेकर्स द्वारा जारी किए गए प्रोमो में उन्हें नब्बे के दशक की सेंसेशनल क्वीन बताया गया है। बहुत जल्द ही वह बॉलीवुड सुपस्टार सलमान खान की मेजबानी वाले शो में शिरकत करती नजर आएंगी।

साइकोलॉजिकल थ्रिलर हमेशा से ही मेरी पसंद रही है

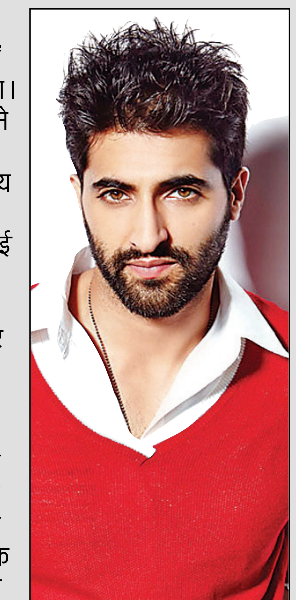

फिल्म फाइटर में नजर आए अभिनेता अक्षय ओबेरॉय जल्द ही अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट रेजिडेंट में कुछ अलग अंदाज में दिखेंगे। फाइटर में अभिनेता के काम को खूब सराहा गया था। फिल्म की शूटिंग नवंबर में एक अंतरराष्ट्रीय लोकेशन पर होने जा रही है। जो दर्शकों का बेहतर मनोरंजन करने का वादा करती है। अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर अभिनेता अक्षय ओबेरॉय बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, साइकोलॉजिकल थ्रिलर हमेशा से ही मेरी पसंद रही है। यह फिल्में रहस्य और गहराई का एक अनूठा संगम होती हैं। इस फिल्म के विषय ने मुझे बेहद प्रभावित किया है। मैं आकाश गोइला के निर्देशन और फिल्मेरा टीम के साथ काम करने को लेकर रोमांचित हूं और मैं इस अवसर का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। हाल ही में यह खबर भी सामने आई थी कि अभिनेता यश-स्टारर टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स में भी नजर आएंगे। इसकी जानकारी दर्शकों को खुद अभिनेता ने सोशल मीडिया के जरिए दी थी। उन्होंने इस प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए खुशी जताई थी। अभिनेता ने हाल ही में वरुण धवन के साथ सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की शूटिंग की है। वह इसके अलावा तू चाहिए, दिल है ग्रे, टू जीरो वन फोर और इलीगल 3 में भी नजर आएंगे।

नकली नोटों के साथ 2 आरोपी पकड़े गए, पैसे पार करने से पहले ही पुलिस ने पकड़ लिया

इससे पहले भी सूरत से नकली नोट बनाने वाला एक दफ्तर पकड़ा गया था

सूरत में एक बार फिर नकली नोट बाजार में लाने की साजिश का खुलासा हुआ है दिवाली से पहले बाजार में नकली नोट चलाने वाले दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पीएसआई एच.एल.देसाई और अन्य निगरानी स्टाफ के लोग नियोल चेक पोस्ट पर वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी बीच पुलिस कांस्टेबल मनीषभाई विट्ठलभाई और हिम्मतभाई मावजीभाई को जानकारी मिली कि कुछ लोग भारतीय मुद्रा और मनोरंजन बैंक और चिल्ड्रेन बैंक ऑफ इंडिया लिखे नोट लेकर निकलने वाले हैं।

इस सूचना के आधार पर, पुलिस ने निगरानी स्थापित की और सरोली पुलिस स्टेशन की निगरानी टीम ने दो लोगों को

पकड़ लिया। दो लोगों के पास से भारतीय मुद्रा के चार बंडल और मुनोरंजन बैंक और चिल्ड्रेन बैंक इंडिया लिखे 400 नोट मिले, जिनमें से कुल 1600 रुपये के असली नोट पाए गए, जिन्हें जब्त कर कानूनी कार्रवाई की गई है।

भारतीय करेंसी नोटों के बीच नकली नोट डालकर धोखाधड़ी करने की कोशिश करने के आरोप में 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। फारूक बिस्मिल्लाह बेग और मनोहर अक्कला बलराजू असली नोटों के बीच चिल्ड्रेन बैंक ऑफ इंडिया लिखे नोट बेचने जा रहे थे, हालांकि इससे पहले ही पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और नकली नोट जब्त कर लिए।

सूरत के सरथाणा इलाके से डुप्लीकेट नोट बनाने का दफ्तर पकड़ा गया है। एसओजी टीम ने सरथाणा के एप्पल स्क्वायर में चल रहे एक नकल कार्यालय का भंडाफोड़ किया। एसओजी टीम को विशेष सूचना मिली कि सूरत के सरथाना इलाके में एप्पल स्क्वायर कॉम्प्लेक्स में नकली नोटों का निर्माण किया जा रहा है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसओजी टीम ने छापेमारी की और मौके से 1 लाख से ज्यादा नकली नोट बरामद किए।

मधुमेह से दोस्ती, जीवन में खुशी, एसजीसीसीआई का जागरूकता सत्र

आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने मधुमेह नियंत्रण के लिए दिए गहरे सुझाव

लोकतेज संवाददाता, सूरत। दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसजीसीसीआई) ने रविवार, 6 अक्टूबर, 2024 को समृद्धि, नानपुरा, सूरत में मधुमेह जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस सत्र में मधुमेह विशेषज्ञों ने इस बीमारी से निपटने के लिए नया दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया।

एसजीसीसीआई के अध्यक्ष विजय मेवावाला ने कहा कि चैंबर का लक्ष्य न केवल व्यापार और उद्योग को बढ़ावा देना है, बल्कि समाज के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाना है। इसी उद्देश्य से इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

सलाहकार मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. पीयूष देसाई ने कहा, मधुमेह को दुश्मन न मानकर, उसे दोस्त बनाकर और अनुशासन के साथ जीना सीखना चाहिए। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार, आने वाले समय में मधुमेह के मरीजों की संख्या में काफी वृद्धि होने की संभावना है। बदलती जीवनशैली और खानपान की आदतों के कारण यह समस्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है।

डॉ. उर्विबेन अग्रवाल, मधुमेह शिक्षक और पोषण विशेषज्ञ ने मधुमेह से जुड़ी विभिन्न जटिलताओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि मधुमेह सिर्फ खून में शर्करा का बढ़ना ही नहीं है, बल्कि यह पूरे शरीर को प्रभावित करने वाली एक गंभीर बीमारी है।

डॉ. नीरज सोनी, पोडियाट्रिस्ट ने मधुमेह के कारण पैरों में होने वाली समस्याओं और उनकी रोकथाम के उपायों के बारे में जानकारी दी।

सत्र में चैंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष निखिल मद्रासी, डॉक्टर, पेशेवर और लोग उपस्थित थे। चैंबर की सार्वजनिक स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष डॉ. पारुल वडगामा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। जनस्वास्थ्य समिति के सहअध्यक्ष डॉ. जगदीश वघासिया और समिति सदस्य निखिल वघासिया ने डॉक्टरों का परिचय दिया। समिति सदस्य डॉ. राजन देसाई ने सत्र का संचालन किया. एसजीसीसीआई शिक्षा और कौशल विकास केंद्र के अध्यक्ष महेश पमनानी ने सभी के लिए धन्यवाद प्रस्ताव दिया और फिर सत्र का समापन किया।

ओलपाड में राशन कार्ड-आधार लिंकिंग में गड़बड़ी, लोगों को हो रही है परेशानी

ग्राम पंचायतों में ई-केवाईसी प्रक्रिया में रुकावट, प्रशासन की लापरवाही का आरोप

लोकतेज संवाददाता, सूरत। सूरत जिले के ओलपाड तालुका में राशन कार्ड धारकों को आधार कार्ड लिंकिंग में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संदर्भ में योगेन्द्र पटेल, महासचिव, ओलपाड तालुका कांग्रेस कमेटी ने मुख्यमंत्री भुपेन्द्र पटेल और सूरत जिला कलेक्टरो को ज्ञापन देकर उचित कार्रवाई की मांग की है। योगेन्द्र पटेल ने बताया कि कई राशन कार्ड धारकों के आधार कार्ड में उनके परिवार के सदस्यों के अलावा अन्य लोगों के नाम भी जुड़े हुए हैं, जिससे ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है।

ग्राम पंचायत कार्यालयों में चल रही ई-केवाईसी प्रक्रिया में तकनीकी खामियों के साथ-साथ प्रशासनिक लापरवाही भी देखने को मिल रही है। कई लोगों को अपने राशन कार्ड में सुधार कराने के लिए मामलतदार कार्यालय के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। लंबी लाइनें और स्टाफ की कमी के कारण बुजुर्गों और बच्चों को विशेष रूप से परेशानी हो रही है।

योगेन्द्र पटेल ने आरोप लगाया कि प्रशासन की उदासीनता के कारण लोगों को बेवजह परेशान होना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की है कि इस मामले की जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही, उन्होंने सुझाव दिया है कि ग्राम पंचायत कार्यालयों को ई-केवाईसी प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं।

कई राशन कार्ड धारकों के आधार कार्ड में उनके परिवार के सदस्यों के अलावा अन्य लोगों के नाम भी जुड़े हुए हैं।

इस कारण ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है।

सुधार कराने के लिए लोगों को मामलतदार कार्यालय के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

स्टाफ की कमी के कारण लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

बुजुर्गों और बच्चों को विशेष रूप से परेशानी हो रही है।

इस मामले की जांच की जानी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

ग्राम पंचायतों को ई-केवाईसी प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं।

ई-केवाईसी की प्रक्रिया को और अधिक आसान बनाया जाए।

सूरत नगर निगम मुख्यलय में पदाधिकारी और अधिकारियों ने ली शपथ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सफल एवं सक्षम नेतृत्व के आज 23 वर्ष पूरे होने पर विकास सप्ताह का आयोजन

लोकतेज संवाददाता, सूरत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सफल एवं सक्षम नेतृत्व के आज 23 वर्ष पूरे हो गये हैं। भारत के प्रधान मंत्री और गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में 07 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने शपथ ली, तब से गुजरात को विकास का मार्ग मिल गया है। इसके अलावा पूरे राज्य में दिनांक 07/10/2024 से 15/10/2024 तक विकास सप्ताह मनाया जा रहा है, जिसके तहत सोमवार श्याम को सूरत महानगर पालिका के मुख्य कार्यालय मुगलीसरा के पटांगन में महापौर दक्षेश मावानी की अध्यक्षता में विकसित भारत को लेकर भारत की एकता और अखंडता के लिए प्रतिबद्ध रहने तथा एक भारत, श्रेष्ठ भारत की दिशा में अग्रणी बनकर कार्य करने का संकल्प कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम के अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्रीमती शालिनी अग्रवाल, स्थायी समिति अध्यक्ष राजन पटेल, नगर निगम के विभिन्न समितियों के अध्यक्ष, पार्षद, सूरत नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे और शपथ ली। इसीके साथ गुजरात सरकार की साइट https://pledge.mygov.in/bhart-vikas/ से शपथ ली और ऑनलाइन प्रमाण पत्र प्राप्त किए।

गारमेन्ट्स इंडस्ट्रीज में तेजी होने से बढ़ रही है नीटिंग कपड़ों की मांग

नीटिंग-वीविंग उद्योग में जबरदस्त तेजी

वस्त्रतेज
धर्मेन्द्र मिश्रा

सूरत। देशभर की मंडियों में कपड़ों की मांग बढ़ने से सूरत टेक्सटाइल मार्केट में कपड़ों की खूब मांग हो रही है, जिससे टेक्सटाइल उद्योग से जुड़े सभी उद्योग में तेजी देखी जा रही है। इन दिनों नीटिंग एवं वीविंग उद्योग में भी जबरदस्ती जी देखी जा रही है। सिल्क सिटी सूरत में एक दशक पूर्व अधिकांश साड़ियां ही बनाई जाती थी। लेकिन बदलते ट्रेंड एवं फैशन के साथ ही साड़ियों की मांग निरंतर कम होने करण सूरत के अनेक व्यापारी गारमेंट सहित अन्य उद्योगों की ओर रुख किया है, जिसका परिणाम अब दिखने लगा है। यही कारण है कि दिनों दिन नीटिंग कपड़ों की मांग बढ़ती जा रही है।

नीटिंग कपड़ों का कारोबार सभी 365 दिन होते हैं, लेकिन हाल के दिनों में अच्छी ग्राहकी : प्रथम अग्रवाल

सारोली स्थित सालासर मार्केट में मैप्स क्रिएशन के नाम से नीटिंग कपड़ों के कारोबार से जुड़े प्रथम अग्रवाल ने लोकतेज से बताया कि नीटिंग के दो प्रकार की मशीनें होती हैं। वार्प नीटिंग एवं सर्कुलर नीटिंग। वार्प नीटिंग मशीन में नेट (जालीदार) कपड़ा तैयार होता है। इस जालीदार कपड़े का जूते, बैग, अटैची आदि में उपयोग किया जाता है। जबकि सर्कुलर नीटिंग मशीनों में दो प्रकार की मशीन आती है। इंटरलॉक डबल जर्सी एवं इंटरलॉक सिंगल जर्सी। इन दोनों मशीनों पर अलग-अलग प्रकार के कपड़े तैयार किए जाते हैं। सभी कपड़े गारमेंट्स में उपयोग किए जाते हैं। साथ ही साथ टेंट एवं मंडप में भी उपयोग होते हैं। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में बहुत अच्छा कारोबार चल रहा है। मार्केट में अच्छी मांग है। अच्छी मांग होने से व्यापार का आनंद ही कुछ अलग होता है। हालांकि नीटिंग कपड़ों का कारोबार सभी 365 दिन होते हैं, लेकिन हाल के दिनों में अच्छी ग्राहकी बनी हुई है। यह ग्राहकी आगामी दिनों में भी बने रहने के आसार हैं।

एंटी डंपिंग को लेकर सरकार से पेशकश करेंगे नीटिंग कारोबारी : अशोक सिंघल

नीटिंग कारोबारी अशोक सिंघल ने बताया कि चीन के माल आयात होने वाले कपड़े पर एंटी डंपिंग लगाए जाने के बाद नीटिंग कारोबारी परेशान है और आगामी दिनों में यानी दीपावली के बाद सरकार से पेशकश करेंगे। उन्होंने बताया कि यहां के और बाहर से विशेष कर चीन से आयातित फिनिश कपड़े में तकरीबन 30 प्रतिशत का अंतर है। यही कारण है की नीटिंग एवं वीविंग कारोबारी बाहर के कपड़े को पसंद करते हैं। यहीं नही बल्कि रॉ मैटेरियल पर भी एंटी डंपिंग होने से पीओवाय ही महंगा हो जाता है जिससे यहां के कपड़े महंगे होते हैं। आगामी दिनों में नीटिंग कारोबारी इस बारे में सरकार से चर्चा करेंगे।

अमरोली की तरह कड़ोदरा में लगाया पोस्टर : विजयभाई मांगूकिया

वीविंग कारोबारी वीवर विजयभाई मांगूकिया ने बताया कि हाल के दिनों में कारोबार अच्छा चल रहा है, लेकिन दो सप्ताह पूर्व अमरोली में जिस तरह से पोस्टर लगाए गए थे इस तरह के पोस्टर कडोदरा में भी लगाए गए हैं। इस तरह की हरकत करने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरुरत है। प्रशासन की ओर से कोई एक्शन नहीं लिए जाने के कारण असामाजिक तत्व जैसे लोगों का मनोबल बढ़ता जा रहा है। उन्होंने बताया कि अमरोली में जो पोस्ट की घटना हुई थी उससे अमरोली का वीविंग उद्योग उबर चुका है यानी शत प्रतिशत कारखाने सुचारू रूप से चलने लगे हैं। हालांकि श्रमिकों की दर बढ़ाने की मांग को लेकर 80 प्रतिशत वीवरों ने भाव नहीं बढ़ाया है, जबकि जिन वीवर के यहां रेट कम था ऐसे 20 प्रतिशत वीवरों ने रेट बढ़ा दिया है। विजयभाई मांगूकिया ने बताया कि पोस्टर की घटना के बाद 7-8 दिनों तक कारखाने बंद रहने से लूम्स मास्टरों एवं श्रमिकों को तकरीबन साढे चार से पांच करोड़ तक का नुकसान हुआ होगा। अमरोली के सभी लूम्स कारखानों में तकरीबन 30 लाख मीटर कपड़ा प्रतिदिन तैयार होता है। यदि रु. 2 प्रति मीटर की दर से ही गणना करें तो रु.60 लाख प्रतिदिन का होता है। यह तो मात्र श्रमिकों का होता है। इसके अलावा लूम्स मास्टरों का वेतन 35 से 40000 रुपये प्रति माह यानी प्रति दिन 1000 रुपये होता है। इसी तरह बोबिन भरने वालों कारीगरों का भी 20000 रुपये मासिक वेतन यानी 700-800 रुपये प्रतिदिन होता है।

अदाणी फाउंडेशन का महिला सशक्तिकरण का सराहनीय प्रयास

शक्तिकरण का सराहनीय प्रयास अदाणी शांतिग्राम मेले में डॉ. प्रीति अदाणी ने किया स्टॉल का उद्घाटन

लोकतेज संवाददाता, सूरत। अदाणी फाउंडेशन ने सूरत की महिलाओं के हस्तशिल्प को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। फाउंडेशन के सहयोग से हाल ही में अहमदाबाद और सूरत में आयोजित मेलों में स्थानीय महिला स्वयं सहायता समूहों ने अपनी कला का प्रदर्शन कर लाखों रुपये की बिक्री की है।

अहमदाबाद के अदाणी शांतिग्राम में आयोजित %सथवारो% मेले में सूरत की महिलाओं के हस्तशिल्प ने लोगों का खूब ध्यान खींचा। इस मेले में अदाणी परिवार और फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ. प्रीतिबेन अदाणी भी पहुंचीं और महिलाओं के स्टॉल का उद्घाटन किया।

सूरत के स्नेह संकुल वाडी में आयोजित दूसरे मेले में वांसवा, दामका, बरबोधन, अंबेटा और उमरवाडा सादरपानी के पांच महिला स्वयं सहायता समूहों ने भाग लिया। इन समूहों ने चनियाचोली, कपड़े के आभूषण, ऑक्सीडाईज्ड आभूषण, मोमबत्तियाँ, पोशाक आभूषण और बांस के काम के कलात्मक नमूने प्रदर्शित किए।

अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से इन महिलाओं को अपनी कला को बाजार में उतारने का सुनहरा मौका मिला। मेले में महिलाओं ने न केवल अपनी कला का प्रदर्शन किया बल्कि ग्राहकों से सीधे संपर्क कर व्यापार भी बढ़ाया। फाउंडेशन ने महिलाओं को पैकेजिंग, मार्केटिंग, मूल्य निर्धारण और उत्पाद प्रस्तुति के बारे में भी प्रशिक्षित किया।

दिवाली से पहले आयोजित इन मेलों में महिलाओं ने दो लाख से अधिक की बिक्री कर अच्छी कमाई की है। यह स्थानीय हस्तशिल्प उद्योगों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

अदाणी फाउंडेशन लगातार ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम कर रहा है। फाउंडेशन द्वारा आयोजित ऐसे मेलों से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलती है।

सूरत में अवैध निर्माण का मामला: अदालत के आदेशों की अनदेखी

पलसाना तालुक के कड़ोदरा गांव में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण, अधिकारियों की लापरवाही

लोकतेज संवाददाता, सूरत। सूरत जिले के पलसाना तालुक के कड़ोदरा गांव में सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण और अतिक्रमण का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस मामले में अदालत के आदेशों के बावजूद संबंधित विभाग के अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

इस मामलें को लेकर दर्शन नायक द्वारा मुख्यमंत्री भुपेन्द्र पटेल, राजस्व विभाग के सचिव एवं सूरत जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर जांच की मांग की गई। सूरत जिला किसान नेता एवं गुजरात प्रदेश कांग्रेस महासचिव दर्शन नायक ने जानकारी देते हुए कहा कि कड़ोदरा गांव की सर्वेक्षण संख्या 133/15 और 113/11 वाली कृषि भूमि पर बिना अनुमति के प्लॉटिंग कर जमीन बेची जा रही है। स्थानीय लोगों ने इस मामले में प्रशासन से शिकायत की थी, जिसके बाद अदालत ने संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई करने के आदेश दिए थे। लेकिन, आदेश के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ प्रभावशाली लोगों के दबाव में स्थानीय प्रशासन इस मामले में आंखें बंद किए हुए है। उन्होंने बताया कि इस अवैध निर्माण से न केवल सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हो रहा है, बल्कि भविष्य में इस क्षेत्र में विकास कार्यों में भी बाधा उत्पन्न हो सकती है। इस मामले में संबंधित विभाग के अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने इस बारे में कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। यह मामला सरकारी जमीन पर अतिक्रमण और कानून व्यवस्था की चुनौती के रूप में उभरा है। इस मामले में शीघ्र कार्रवाई करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग उठ रही है। सूरत के पलसाना तालुक के कड़ोदरा गांव में चल रहा अवैध निर्माण का मामला प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती है। इस मामले में अदालत के आदेशों की अनदेखी करना गंभीर अपराध है। प्रशासन को इस मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

मालिक, प्रकाशक और मुद्रक कुलदीप सनाढ्य द्वारा ताप्तीलोक पब्लिकेशन्स, 152-153, श्री राम एस्टेट, मोजे भेदवाड़, पांडेसरा सूरत (गुजरात) से मुद्रित एवं ताप्तीलोक पब्लिकेशन,3-4, गंगोत्री एपार्टमेंट, न्यू सिविल रोड़, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। संपादक - कुलदीप सनाढ्य